संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -181 शुक्रवार , 03 मई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

प्रज्वल रेवन्ना का सेक्स टेप लीक करने वाला पूर्व ड्राइवर लापता

» कुमारस्वामी बोले-डीके शिवकुमार का हाथ...

बेंगलुरु,02 मई 2024(ए)। लोकसभा चुनाव के बीच पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के पोते और कर्नाटक के हासन सीट से जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के कथित सेक्स टेप मामले में नया मोड़ आया है।. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रज्वल रेवन्ना का सेक्स टेप लीक करने का दावा करने वाला पूर्व ड्राइवर लापता है। पूर्व ड्राइवर कार्तिक ने हाल ही में वीडियो मैसेज से दावा किया था कि उसी ने बीजेपी नेता जी देवराजे गौड़ा को पेन ड्राइव में रेवन्ना का आपत्तिजनक वीडियो दिया था। स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम ने कार्तिक को पूछताछ के लिए नोटिस भी भेजा था। उसके बाद से ही वह लापता है। इस बीच प्रज्वल रेवन्ना के चाचा और पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने पूर्व ड्राइवर के लापता होने के पीछे डिप्टी सीएम शिवकुमार पर शक जताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक,कार्तिक ने प्रज्वल रेवन्ना के साथ 13 साल तक काम किया था। एक साल पहले एक कथित जमीन सौदे को लेकर उसका रेवन्ना से झगड़ा हो गया। जिसके बाद उसने ड्राइवरी भी छोड़ दिया। न्याय के लिए वो कथित तौर पर गौड़ा के संपर्क में आ गया था।

एचडी कुमारस्वामी ने क्या कहा?

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी का आरोप है कि ड्राइवर के लापता होने के पीछे कुछ प्रभावशाली नेता हैं। उन्होंने डिप्टी सीएम शिवकुमार की ओर इशारा करते हुए सवाल उठाया है कि कार्तिक को मलेशिया किसने भेजा था? इन आरोपों का जवाब देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, शिवकुमार ऐसा क्यों कह रहे हैं? मतलब उन्हें सारी जानकारी है। मैं पागल नहीं हूं जो उसे (पूर्व ड्राइवर कार्तिक को) विदेश भेजूंगा। मैं एक स्ट्रीट फाइटर हूं। मुझे लोगों को छिपाकर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है. उन्हें (देवेगौड़ा परिवार को) इसकी जरूरत है।

डीके शिवकुमार ने आगे कहा, उस लड़के (कार्तिक) ने दावा किया था कि उसने प्रज्वल रेवन्ना के अश्लील

वीडियो वाली पेन ड्राइव बीजेपी नेताओं को दी थी। पेन ड्राइव जारी करने पर चर्चा बाद में होने दीजिए. हमें असली मुद्दे से नहीं भटकना चाहिए।

एसआईटी रेवन्ना को जारी किया लुकआउट नोटिस

इस बीच एसआईटी ने प्रज्वल रेवन्ना को सेक्स टेप के मामले में लुकआउट नोटिस जारी किया है. यह नोटिस प्रज्वल की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने एसआईटी के सामने हाजिर होने के लिए समय मांगा था. गुरुवार (2 मई) को कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि 7 दिन का समय देने का प्रावधान ही नहीं है. अगर वो 24 घंटे में पूछताछ के लिए हाजिर नहीं होते हैं, तो उनकी गिरफ्तारी भी संभव है.

27 अप्रैल को वायरल हुआ था वीडियो

हासन सीट से जेडीएस उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना का कथित वीडियो दूसरे फेज की वोटिंग के एक दिन बाद 27 अप्रैल को वायरल हुआ था। इसके बाद एक महिला ने रेवन्ना और उनके विधायक पिता एचडी रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया। प्रज्वल रेवन्ना ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए वीडियो को मॉर्फ्ड बताया था। उन्होंने पुलिस में इसकी शिकायत भी की थी। इसी दिन वह जर्मनी भी रवाना हो गए. मामला बढ़ने पर सिद्धारमैया सरकार ने एसआईटी जांच के आदेश दे दिए.

रेवन्ना ने लिखा पोस्ट

रेवन्ना ने बुधवार (1 मई) को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था...मैं जांच में शामिल होने के लिए बेंगलुरु में नहीं हूं। इसलिए मैंने अपने वकील के जरिए सीआईडी बेंगलुरु को बता दिया है.। सच्चाई जल्द ही सामने आएगी।

15 मई को बेंगलुरु लौट सकते हैं प्रज्वल रेवन्ना

सूत्रों ने बताया कि एसआईटी से राहत नहीं मिलने के बाद प्रज्वल रेवन्ना के 15 मई की आधी रात को बेंगलुरु पहुंचने की उम्मीद है. बताया जा रहा है कि वो फ्रैंकफर्ट से बेंगलुरु पहुंचेंगे।

सीबीआई हमारे नियंत्रण में नहीं

» ममता सरकार की याचिका पर एससी में केंद्र सरकार ने कहा...

नई दिल्ली,02 मई 2024(ए)। केंद्र की मोदी सरकार पर लगातार केंद्रीय एजेंसियों को दुरुपयोग के आरोप विपक्ष की ओर लगाए जा रहे हैं। इस बीच आईएनडीआईए में शामिल दल तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व वाली ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक मुकदमा दायर किया है। इसमें बंगाल सरकार ने बिना राज्य सरकार के अनुमति के ही एक मामले की जांच जारी रखने का आरोप लगाया है। मामले की सुनवाई जस्टिस बीआर गवई और संदीप मेहता की पीठ कर रही है।

केंद्रीय एजेंसी जांच एजेंसी सीबीआई की जांच के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। कोर्ट में ममता सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के सीबीआई के एक्शन को चुनौती दी है। तृणमूल सरकार ने अपने मुकदमे में कहा कि राज्य द्वारा पश्चिम बंगाल में मामलों की जांच के लिए संघीय एजेंसी की जांच को लेकर ÷सामान्य सहमति÷ रद्द करने के

बावजूद, सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की और जांच जारी रखी।

केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों को केंद्र सरकार ने खंडन किया है। सीबीआई जांच को चुनौती देने वाली ममता सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र पर लगे आरोपों की सफाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, भारत संघ ने कोई मामला दर्ज नहीं किया है, सीबीआई ने दर्ज किया है और सीबीआई केंद्र के नियंत्रण में नहीं है। अदालत में सॉलिसिटर जनरल मेहता ने आगे कहा कि अनुच्छेद 131 केंद्र और एक या अधिक राज्य सरकारों के बीच विवाद में शीर्ष अदालत के अधिकार क्षेत्र से संबंधित है, पवित्र है और इसके दुरुपयोग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अनुच्छेद 131 सर्वोच्च न्यायालय को प्रदत्त सबसे पवित्र न्यायक्षेत्रों में से एक है। इस प्रावधान का दुरुपयोग या दुरूपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

चुनाव आयोग की सलाह

» सर्वे की आड़ में वोटर्स की जानकारी लेना बंद करें राजनीतिक दल

नई दिल्ली,02 मई 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग ने एक एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने जारी अपनी एडवाइजरी में सख्त हिदायत दी है कि वो सर्वे के नाम पर मतदाताओं से चुनाव के बाद फायदे वाले स्कीम से जुड़ा पंजीकरण कराना बंद करें। आयोग का मानना है कि ऐसे सर्वे से वोटिंग प्रभावित होती है। चुनाव आयोग ने कहा है कि इस तरह की गतिविधियों को गंभीरता से लिया गया है। पार्टियां और उम्मीदवार सर्वे की आड़ में मतदाताओं का विवरण मांग रहे हैं। इसे तुरंत बंद कर देना चाहिए। आयोग ने कहा कि इसके जरिए मतदाताओं को पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जाता है जो एक तरह से प्रलोभन है। ऐसे मामले में चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

चुनाव आयोग की ओर से जारी एडवाइजरी में जिन गतिविधियों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया गया है उनमें ये गतिविधियां शामिल हैं:-

✱ . समाचार पत्रों में विज्ञापन के जरिए वोटर्स को मोबाइल पर मिस्ड कॉल देकर या टेलीफोन नंबर पर कॉल कर लाभ के लिए खुद को पंजीकृत करने के लिए कहना।

✱ . गारंटी कार्डों के लिए पैम्फलेट द्वारा व्यक्तिगत लाभ चाहने वालों से उनका विवरण जैसे नाम, उम्र, पता, मोबाइल नंबर, बूथ संख्या, निर्वाचन क्षेत्र का नाम और संख्या आदि मांगना।

✱ . मतदाताओं की जानकारी जैसे नाम, राशन कार्ड नंबर, पता, फोन नंबर, बूथ नंबर, बैंक खाता नंबर, मांगने वाले फॉर्म का वितरण कराना।

✱ . वेब प्लेटफॉर्म या वेब/मोबाइल एप्लिकेशन का प्रचार या प्रसार का इस्तेमाल राजनीतिक दलों/उम्मीदवारों द्वारा करना और इसके जरिए मतदाताओं का विवरण जैसे नाम, पता, फोन नंबर, बूथ नंबर, निर्वाचन क्षेत्र का नाम और नंबर आदि मांगा जाना।

✱ लोगों से उन्हें मिल रही लाभकारी योजनाओं के साथ-साथ नाम, पति/पिता का नाम, संपर्क नंबर, पता आदि के बारे में जानकारी जुटाना।

प्रधानमंत्री मास रेपिस्ट के लिए वोट मांग रहे,ये है मोदी गारंटी

नई दिल्ली,02 मई 2024(ए)। राहुल ने पीएम मोदी और बीजेपी पर तंज कसा और बोले प्रधानमंत्री मास रेपिस्ट के लिए वोट मांग रहे हैं। कहा-क्या ये है मोदी की गारंटी वो मास रेपिस्ट रेमन्ना के लिए वोट मांगते फिर रहे हैं। रेपिस्ट प्रज्वल रेमन्ना ने 400 महिलाओं का मास रेप किया है। पीएम मोदी को इसका जवाब देना होगा और महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।आज गुरुवार 2 मई को कर्नाटक के शिवमोगा में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना गौड़ा के अश्लील वीडियो केस पर मोदी पर हमला किया। राहुल ने कहा कि कर्नाटक में सबसे बड़ा इश्यू प्रज्वल रेवन्ना का है। पीएम मोदी ने उसके समर्थन में प्रचार किया है।

शिवमोगा की सभा में राहुल की स्पीच के खास बिंदु

✱ हमारी सरकार युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देने जा रही है। युवा निधि में आपको यहां अभी 3 हजार रुपए महीना मिलता है।

✱ हम पहली नौकरी पक्की स्कीम लागू करने जा रहे हैं। एक साल की नौकरी मिलेगी, 8500 रुपए हर महीने अकाउंट में जाएंगे, एक साल में एक लाख रुपए होंगे। हिंदुस्तान के सारे ग्रेजुएट्स को बेस्ट क्वालिटी ट्रेनिंग मिलने वाली है।

✱ उन्होंने (भाजपा सरकार) आपको बेरोजगारी दी, हम आपको अप्रेंटिसशिप का अधिकार और दुनिया की सबसे बेहतरीन ट्रेनिंग देने जा रहे हैं।

पिता का टिकट काट बेटे करण पर बीजेपी ने जताया भरोसा

नई दिल्ली,02 मई 2024(ए)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर राजनीतिक दल अपने चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। जैसे-जैसे चरण बीत रहे हैं, मुकाबला कांटे का होता जा रहा है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी ने कैसरगंज व रायबरेली से अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने कैसरगंज से बृजभूषण सिंह का टिकट काटकर बृजभूषण सिंह के छोटे बेटे करण सिंह को टिकट दिया है। वहीं रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को मैदान में उतारा गया है।

आम तौर पर जारी नहीं किये जा सकते गैर-जमानती वारंट

नई दिल्ली,02 मई 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक हालिया फैसले में कहा है कि गैर-जमानती वारंट आम तौर पर जारी नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि आरोपी पर कोई संगीन आपराधिक आरोप न हो और उसके कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका न हो।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि हालांकि गैर-जमानती वारंट जारी करने के बारे में कोई विस्तृत दिशा-निर्देश नहीं है, शीर्ष अदालत ने कई मौकों पर टिप्पणी की है कि गैर-जमानती वारंट तब तक जारी नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि

आरोपी पर कोई संगीन आपराधिक आरोप न हो और उसके कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ अथवा उसे नष्ट करने की आशंका न हो। खंडपीठ में न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी भी शामिल थे।

शीर्ष अदालत ने समन के आदेश को रद्द करते हुए कहा, इस संबंध में कानून में स्थिति स्पष्ट है कि गैर-जमानती वारंट आम तौर पर जारी नहीं किया जाना चाहिए और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को तब तक प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में ऐसा करना जरूरी न हो।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में हेमंत सोरेन को राहत नहीं

» कोर्ट ने न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ाई

रांची,02 मई 2024(ए)। रांची स्थित पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है। हेमंत सोरेन को अब 16 मई तक रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल में रहना होगा।गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में उनकी उनकी पेशी हुई और इसके बाद

न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी गई। जमीन घोटाले के इसी मामले में जेल में बंद राजस्व उपनिरीक्षक भानु प्रताप और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मास्टरमाइंड मो. सद्दाम की भी आज अदालत में ऑनलाइन पेशी हुई और उनकी हिरासत भी 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई।

दिल्ली महिला आयोग से 223 कर्मचारियों की छुट्टी

» स्वाति मालीवाल पर लगे आरोप

नई दिल्ली,02 मई 2024 (ए)। दिल्ली महिला आयोग से 223 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निकाल दिया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। आरोप है कि दिल्ली महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने नियमों के खिलाफ जाकर बिना इजाजत इनकी नियुक्ति की थी। कर्मचारियों को हटाने के इस आदेश में एक्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि आयोग में

केवल 40 पद ही स्वीकृत हैं। महिला आयोग को कर्मचारी रखने का अधिकार नहीं है।एलजी के आदेश में दिल्ली महिला आयोग अधिनियम 1994 का हवाला दिया गया है। आदेश में बताया गया है कि सितंबर 2016 को महिला आयोग में 223 अतिरिक्त पदों को सृजित किया गया। इसके कुछ दिनों बाद डीसीडब्ल्यू को डीडब्ल्यूसीडी ने सूचित किया कि वे अनुदान प्राप्त संस्थान प्रशासनिक विभाग और वित्त/योजना विभाग की मंजूरी के बिना कोई ऐसा कार्य नहीं करेंगे, जिसमें सरकार के लिए अतिरिक्त वित्तीय दायित्व शामिल हो।

महिला को लगा बड़ा झटका

» पति संग हो चुके तलाक को कैंसल करने पहुंची थी हाईकोर्ट

मुंबई,02 मई 2024 (ए)। बॉम्बे हाई कोर्ट में एक महिला याचिका लेकर पहुंची कि उसके पति संग हो चुके तलाक को कैंसल किया जाए क्योंकि वह उसके साथ नई जिंदगी शुरू करना चाहती है लेकिन, हाई कोर्ट ने उसकी याचिका नामंजूर कर दी। अदालत ने टिप्पणी की कि पति और उसके परिवार के लोगों के खिलाफ झूठा केस दर्ज करना क्रूरता है। मामले में महिला के पति का आरोप है कि 8 साल शादी में साथ रहने के बाद अचानक उसकी बीवी मायके रहने लगी थी। उसने उसके परिवार के खिलाफ कई झूठी कंप्लेन दर्ज कराई। ससुर और देवर के खिलाफ छेड़छाड़ तक के आरोप लगाए। इससे उनकी काफी बदनामी हुई।

बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने महिला द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया।

संपादकीय

आरक्षण का मुद्दा गरमाया

चुनाव प्रचार में इन दिनों आरक्षण का मुद्दा गरमाया हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आरक्षण को सबसे निचले वर्गों की जातियों को आर्थिक तथा राजनीतिक संबल प्रदान करने के लिए वैधानिक तौर पर आरक्षण प्रदान किया गया था।बाद में आरक्षण का विस्तार होता गया और इसमें नये-नये जाति समूह शामिल होते चले गए।आरक्षण प्राप्त करने के लिए जाट और मराठा जैसे शक्तिशाली समूहों को आंदोलन की राह पकडनी पड़ी। दरअसल, जो आरक्षण निचली पायदान पर खड़े जाति समूहों के उत्थान के लिए था, वह सभी जाति समूहों के लिए राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने का हथियार बन गया। कहने की जरूरत नहीं है कि आज आरक्षण भारतीय समाज के एक बहुत बड़े वर्ग में असंतोष और चिंता का कारक बना हुआ है। हिन्दू समाज के अनारक्षित जाति समूह मानते हैं कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। ऐसी सूरत में एक ऐसे आर्थिक ढांचे पर बल दिए जाने की जरूरत थी जिसमें बिना आरक्षण की सीढ़ी के सभी निचले वर्ग के लोगों को उत्थान के अवसर प्राप्त हों और जातीय आग्रह सामाजिक विग्रह के कारण न बनें लेकिन अब आरक्षण की नीति एक चिंताजनक मोड़ पर ले आई है।एक ओर जहां कांग्रेस के नेता विशेषकर राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण खत्म कर देंगे। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी हर सभा में कह रहे हैं कि कांग्रेस ने आरक्षण को मुस्लिम तुष्टिकरण का नया औजार बना लिया है।वह बार-बार कर्नाटक का उदाहरण दे रहे हैं जहां कांग्रेस ने सभी मुस्लिम जातियों को पिछड़े वर्ग में शामिल करके पिछड़े वर्ग के कोटे से ही 4 प्रतिशत का आरक्षण दे दिया जिसे बाद में भाजपा सरकार ने निरस्त कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जहां भाजपा सरकार के फैसले पर रोक लगा दी गई है।मोदी अपनी हर सभा में खुलकर कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो दलित और पिछड़ों का आरक्षण समाप्त कर मुसलमानों को दे देगी।संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लेकिन कांग्रेस ने चोर दरवाजे से कर्नाटक में आरक्षण देकर जो कदम उठाया है, उसके दुष्परिणाम समझ नहीं पा रही। बेशक, भाजपा को विरोध का बड़ा चुनावी मुद्दा मिल गया है।

इंतजामों को अधिक सक्रिय करने की जरूरत

हमारे देश के वनों में गर्मियों के दिनों में आग लगना एक लगातार सिलसिला है। अप्रैल का महीना शुरू हुआ कि आग से जंगल धधकने लगते हैं। जंगल की आग पर्यावरण की दृष्टि से तो खतरनाक है ही जनजीवन और बायोडायर्वसटी की दृष्टि से भी हानिकारक है। ऐसे समय में जब जंगलों में आग लगती है तो देखा गया है कि उसकी तैयारी में सरकार विफल रही है।देश के वनों में अप्रैल माह में आग की घटनाओं को देखें तो देश में हाल फिलहाल 361 जगह वनों में आग लगी हैं। इन घटनाओं की निगरानी को फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की साइट पर लांच बीटा संस्करण एसएनपीपी - वीआईआईआरएस का 10 अप्रैल, 2024 का भारत के वनों में लगी भीषण आग का मौजूद आंकड़ा बताता है कि सबसे अधिक आंध्र प्रदेश में 122, तेलंगाना में 55, छत्तीसगढ़ में 47, उत्तराखंड में 32, बिहार में 23, ओडिसा में 22, उत्तर प्रदेश में 17 सहित 21 राज्यों में 361 जगह आग लगी थी जो 13 अप्रैल को घट कर काबू होने के बाद 33 रह गई। 1अप्रैल को देश के वनों में 132 बड़ी आग लगी थी जो 10 अप्रैल को 361 जगह तक पहुंच गई है। अप्रैल माह में पिछले 7 दिनों का आंकड़ा देखें तो एक्टिव आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में छत्तीसगढ़ में 166, आंध्र प्रदेश में 248, मध्य प्रदेश में 207, ओडिसा में 146 और असम में 139 जगहों पर बड़ी आग लगी।वहीं 1 नवम्बर, 2023 से 2024 में बड़ी आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में आंध्र प्रदेश में 860, मध्य प्रदेश में 719, तेलंगाना 688, महाराष्ट्र में 547 और छत्तीसगढ़ में 527 बार आग लगी, जबकि वर्ष 2022-2023 में तो पूरे देश के वनों में 12562 आग की घटनाएं हुई। जंगल की आग से वनों का क्षरण तो होता ही है बहुमूल्य वन संपदा और कार्बन भी नष्ट हो जाते हैं। वनों का पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होता है। यह देखा गया है फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार जंगल की आग को मॉनिटर करने के लिए भारत में 2004 से शुरू सेटेलाइट की रिमोट सेंसिंग मोडिस अर्थात मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रो रेडियोमीटर सेंसर और 2017 से भारतीय सेटेलाइट से सम्पूर्ण भारत में एसएनपीपी-वीआईआईआरएस अर्थात सुओमी-नेशनल पोलर आर्बिटिंग पार्टनरशिप-विजिबल इंफ्रारेड इमेजिंग रेडियोमीटर सूट के साथ जीआईएस टूल्स की मदद से वनों की आग को मॉनिटर किया जा रहा है। देश का कुल 32,87,469 वर्ग किलोमीटर भौगोलिक क्षेत्र है। नवीनतम आईएसएफआर 2021 के अनुसार देश का कुल 7,13,789 वर्ग किलोमीटर वन आवरण है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.71 प्रतिशत है। वन सर्वे ऑफ इंडिया का अनुमान है कि देश में 36 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र में बार-बार आग लगती रहती है। देश के करीब 4 प्रतिशत वन क्षेत्र में अधिक तो 6 प्रतिशत भाग में सबसे अधिक खतरा पाया गया है। वनों में आग लगने से बड़े पैमाने पर मानवीय, पर्यावरण और आर्थिक हानि होती है। इसलिए आग फैलने से रोकना बहुत ही जरूरी है। वनों की आग को नियंत्रित करने में वही पुराने साधन और संसाधनों से आग काबू पाने के लिए राज्यों के महकमे लगे हुए हैं। तकनीक से हम बेहतर तरीके से मॉनिटर कर पा रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की तरह वनों की आग को काबू पाने के इंतजामों को अधिक सक्रिय करने की जरूरत है।

-अनिरुद्ध गौड-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जब चंद्रशेखर के खिलाफ लगा था नारा

" रामलीला मैदान की उस सभा में बैठने का इंतजाम नहीं था...ज्यादातर लोग खड़े ही थे...चंद्रशेखर मंच पर पहुंचे...भिंडरवाला वापस जाओ के नारे से हुए स्वागत से उन्हें भरोसा हो गया था कि स्वर्णमंदिर में हुई सैनिक कार्रवाई के चलते लोगों में उन्हें लेकर था गुस्सा "

इंदिरा गांधी की हत्या के बाद की शोक अवधि बीतते ही चुनाव आयोग ने सातवीं लोकसभा के चुनावों का ऐलान कर दिया था। चुनाव घोषणा की वह तारीख थी, तेरह नवंबर 1984...इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुई देशव्यापी सिख विरोधी हिंसा की आंच भले ही ठंडी पड़ चुकी थी, लेकिन उसकी तपिश महसूस की जा रही थी। लोगों के दिल में इंदिरा की हत्या से उपजा क्षोभ अभी ताजा था..इसी बीच चुनाव आ गए।

उन दिनों विपक्ष का सबसे बड़ा दल था, जनता पार्टी। जनता पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर तीसरी बार अपनी पारंपरिक उत्तर प्रदेश की बलिया सीट से मैदान में उतरने की तैयारी कर चुके थे। उन दिनों लोकसभा की बलिया नाम से दो सीटें थी, पहली उत्तर प्रदेश की बलिया,जो अब भी है, और दूसरी बिहार की बलिया, जो परिसीमन के बाद खत्म हो चुकी है। नवंबर 1984 के आखिरी हफ्ते की कोई तारीख थी। चंद्रशेखर नामांकन दाखिल करने के लिए बलिया आ रहे थे। तब इलाहाबाद से बरौनी तक मीटर गेज की रेल चलती थी। इसी रेल रूट पर बलिया भी पड़ता है। तब बलिया से वाराणसी के बीच छुकछुकिया यानी भाप इंजन वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस चलती थी। जो वाराणसी से चलकर करीब बारह बजे बलिया पहुंचती थी। चंद्रशेखर उसी इंटरसिटी एक्सप्रेस बलिया आ रहे थे। इसकी जानकारी उनके समाजवादी कार्यकर्ताओं के तमाम लोगों की थी। उन दिनों चंद्रशेखर को बलिया के लोग दो नामों से ज्यादा पुकारते थे, अध्यक्ष जी और दाढ़ी। चंद्रशेखर इंटरसिटी से जैसे ही बलिया के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उतरे, उनके कार्यकर्ता फूलमालाओं के साथ उनके स्वागत में बढ़े तो कुछ दूर स्थित युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने जोर-जोर से नारा लगाना शुरू कर दिया, भिंडरवाला वापस जाओ, भिंडरवाला वापस जाओ। जून 1984 में सिखों के तीर्थ स्थल अमृतसर के स्वर्णमंदिर में सैनिक कार्रवाई हुई थी.।.उस कार्रवाई में पंजाब को दहशत का केंद्र बनाने वाला जनरैल सिंह भिंडरवाला मारा जा चुका था। इसी कार्रवाई से सिख समुदाय गुस्से में था, जिसकी दुखद परिणति 31 अक्टूबर 1984

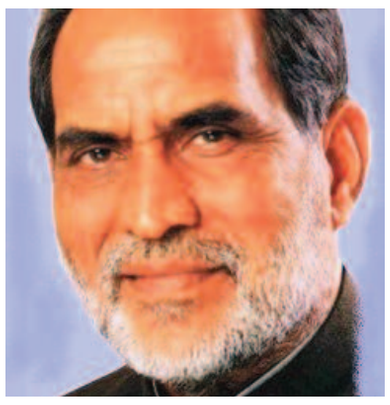

को इंदिरा गांधी की हत्या के रूप में सामने आई। चंद्रशेखर ने स्वर्णमंदिर में सैनिक कार्रवाई का जोरदार शब्दों में विरोध किया था.।.इंदिरा की हत्या के बाद उनका यह विरोध चर्चा में आ गया था। तत्कालीन सहानुभूति लहर के चलते इस बयान की वजह से चंद्रशेखर भी लोगों के निशाने पर थे। बलिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ लगा नारा उसी क्षोभ की अभिव्यक्ति कहा जा सकता है..चंद्रशेखर नारा लगा रहे युवाओं की तरफ कुछ कदम बढ़ाए भी..कुछ देर के लिए नारा थम गया..लेकिन बाद में नारा तब तक लगता रहा, जब तक वे प्लेटफॉर्म से निकलकर अंबेसडर कार से बलिया कलेक्ट्रेट नहीं चले गए।

बलिया कलेक्ट्रेट में नामांकन दाखिल करने के बाद उनकी सभा शहर के रामलीला मैदान में हो रही थी।..जाड़े की गुनगुनी धूप ढलने लगी थी.।.जुलूस के साथ चंद्रशेखर रामलीला मैदान पहुंचे। तब वे खादी मटका का कुर्ता, धोती और बंडी पहने थे। कंधे पर बेतरतीब चादर भी थी..उनके नामांकन को कवर करने के लिए कुछ विदेशी पत्रकार भी बलिया पहुंचे थे।

रामलीला मैदान की उस सभा में बैठने का इंतजाम नहीं था।..ज्यादातर लोग खड़े ही थे। चंद्रशेखर मंच पर पहुंचे। भिंडरवाला वापस जाओ के नारे से हुए स्वागत से उन्हें भरोसा हो गया था कि स्वर्णमंदिर में हुई सैनिक कार्रवाई के चलते लोगों में उन्हें लेकर गुस्सा है। लिहाजा उन्होंने अपने भाषण में सफाई देनी शुरू की। जिस सिख कौम के लिए सिखों के गुरू तेगबहादुर ने अपने शीश चढ़ा दिया, जिसके लिए गुरू गोविंद सिंह के दो बेटों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया..उस महान कौम के तीर्थ स्थल पर सैनिक कार्रवाई का विरोध करके मैने गलती कहां गलती की।

अभी चंद्रशेखर का वाक्य पूरा ही नहीं हुआ कि तकरीबन पूरे मैदान से विरोध के सुर फूट पड़े, कोई उन्हें भोजपुरी में दाढ़ी के संबोधन के साथ चुप रहने की नसीहत दे रहा था.।.तो कोई उनके सफाई देने पर सवाल उठा रहा था।

चंद्रशेखर समवेत विरोध के इस सुर से चकित रह गए। बेशक तब तक वे बड़े नेता के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनकी अपीलों का कोई असर नहीं हुआ.।.लोगों ने उनका खुलकर विरोध किया। विरोध का प्रमुख वजह रही इंदिरा की हत्या को लेकर कांग्रेस के प्रति उपजी हमदर्दी और गुस्सा।

1977 और 1980 के चुनावों में जिस बलिया ने चंद्रशेखर को अपना संसदीय ताज बनाया, उसी बलिया ने दिसंबर 1984 में हुए आम चुनावों में नापसंद कर दिया।.कांग्रेस के जगन्नाथ चौधरी के हाथों जनता पार्टी के अध्यक्ष जी को 54 हजार 940 वोटों से हार मिली। बलिया से कांग्रेस के आखिरी नुमाइंदे जगन्नाथ चौधरी ही रहे।..उसके बाद 1989, 1991, 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनावों में चंद्रशेखर को लगातार जीत मिली। उनके निधन के बाद हुए 2007 के उपचुनाव में उनके बेटे नीरज शेखर समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते। नीरज को 2009 में भी जीत मिली, लेकिन 2014 में वे हार गए। अब वे बीजेपी में शामिल हो चुके हैं और अपने पिता की विरासत पर बीजेपी के टिकट पर दावा ठोक रहे हैं।. बलिया में जब भी चुनाव आता है, चंद्रशेखर की याद आना स्वाभाविक है और इसके साथ ही उनके खिलाफ 1984 में लगा वह नारा भी, भिंडरवाला वापस जाओ।

– उमेश चतुर्वेदी

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कैरियर की अंधी दौड़ का शिकार हो रही युवा पीढ़ी

ऐसे समय में जब देश में आम चुनाव की सरगर्मी चल रही है, उसी समय अलग अलग राज्यों में बारी बारी से बच्चों के दसवीं बारहवीं के रिजल्ट भी आ रहे हैं। जिनका रिजल्ट आ रहा है वो अभी देश के मतदाता नहीं हैं इसलिए उनके लिए चुनाव से ज्यादा जरूरी उनका अपना रिजल्ट है।

जो बच्चे दसवीं बारहवीं की परीक्षा अच्छे नंबरों से पास करके कैरियर बनाने के लिए आगे बढ़ना चाहते हैं उनमें कुछ राजस्थान की कोचिंग सिटी कोटा भी पहुंच जाते हैं।16-17 साल की कच्ची उम्र में जब उन्हें संसार की कोई खास समझ नहीं होती, जीवन के उतार चढाव का कोई खास अनुभव नहीं होता, उस आयु में वे कोटा पहुंचकर अपना कैरियर बनाने में जुट जाते हैं।

जो बच्चे अपनी इच्छा से ऐसा कर रहे हैं उनके सामने तो कोई समस्या नहीं है लेकिन जिन बच्चों की अनिच्छा के बावजूद उन्हें कोटा की कोचिंग फैक्ट्री में धकेल दिया जाता है, उनमें से हताश निराश कुछ बच्चे अपनी जीवनलीला को ही समाप्त कर देते हैं। बीते एक हफ्ते में फिर से दो बच्चों ने अपने मां बाप से क्षमा मांगते हुए अपनी जान दे दी। दोनों के मरने की एक ही वजह थी, कोचिंग की पढ़ाई के बोझ से दबी मासूम जानों का कहना था कि हमसे यह नहीं हो पायेगा।

भारत में कैरियर का प्रेशर एक महामारी की तरह फैल रहा है। जीवन जीने के लगभग सभी तरीकों को अप्रासंगिक घोषित करके सिर्फ कुछ तरीकों को सफलता का मानक घोषित कर दिया गया है। खासकर मध्यवर्ग के सामने आज जो सबसे बड़ी चुनौती है वह है अपने बच्चे का अपने से बेहतर कैरियर बनाना। मिडिल क्लास के इस बेहतर कैरियर की लिस्ट बड़ी छोटी है। सिविल सर्वेन्ट, डॉक्टर, इंजीनियर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर या फिर फाइनेन्सियल सेक्टर जैसे कुछ चुनिंदा क्षेत्र ही हैं जिसे मिडिल क्लास कैरियर की सफलता मान बैठा है। इसलिए इन क्षेत्रों में अपने बच्चों को घुसाने और किसी तरह पास करवा देने के लिए वह न केवल अपनी सारी जमा पूंजी खर्च कर रहा है बल्कि अपने बच्चों पर भी दिन रात पढ़ाई का दबाव बना रहा है ताकि किसी भी तरह से वो इन्हीं कुछ चुनिंदा सेक्टर में वह अपना कैरियर बना ले। मिडिल क्लास को लगता है कि ऐसा हो जाने पर या तो उनका बच्चा विदेश चला जाएगा और विदेश नहीं भी गया तो देश में ही इतना पैसा कमा लेगा कि उसकी जिन्दगी सुख चैन से कट जाएगी। लेकिन जो लोग ऐसा सोचते हैं वो एक बात नहीं सोच पाते कि किसी के भी साथ उसकी इच्छा या रुचि के विपरीत हम उससे जो कुछ करवाते हैं, हम उस पर गुलामी को थोपते हैं। फिर वह भले ही हमारा अपना बच्चा ही क्यों न हो। अगर उसकी इच्छा पढने की नहीं है तो जबर्दस्ती उसको पढाना भी उसके बाल मन के साथ अपराध करना है। अगर वह किसी खास फील्ड में अपना कैरियर नहीं बनाना चाहता तो उस ओर उसे धकेलना भी उसके साथ मानसिक प्रताड़ना और क्रिमिनल एक्ट ही समझा जाएगा। अक्सर ऐसा वही मां बाप करते हैं जो अपनी जड़ों से कट चुके हैं। जिन्होंने अपने जीवन की परंपरागत जड़ों को आधुनिकता की अंधी दौड़ में काट दिया है उनके लिए कैरियर में सफलता जीवन जीने का आधार बन गयी है। कैरियर में सफल नहीं होंगे तो अच्छा पैसा नहीं कमा पायेंगे और अगर अच्छा पैसा नहीं कमा पाये तो सुख चैन का जीवन नहीं जी पायेंगे। इसके साथ ही समाज में व्यर्थ का प्रदर्शन और दिखावा भी कई बार अपने ही बच्चों के साथ अन्याय का कारण बन जाता है जिसका परिणाम कभी कभार आत्महत्या के रुप में सामने आता है। भारत में अभी स्कूलों में भी कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है कि बच्चे को उसकी रुचि के अनुसार शिक्षा दी जाए। यूरोपीय आदर्शों पर विकसित हुए हमारे स्कूल एक ऐसी फैक्ट्री में तब्दील हो गये हैं जहां जैसा भी कच्चा माल जाए उसे एक ही सांचें में ढालकर एक जैसी प्रतिभा के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाता है। क्लर्क और सेवादार पैदा करनेवाली शिक्षा की इस मैकाले प्रणाली से छुटकारा पाने के बजाय हम लगातार इसमें धंसते ही जा रहे हैं। इस प्रणाली की सबसे बड़ी खामी सभी के लिए एक ही प्रकार की शिक्षा है जिसके कारण बच्चे की स्वाभाविक प्रतिभा विकसित होने की बजाय दमित हो जाती है। इस प्रकार की दोषपूर्ण शिक्षा व्यवस्था से निकले किसी बच्चे के सामने सिर्फ एक ही रास्ता बचता है कि वह एक गलाकाट प्रतिस्पर्धा में घुसकर किसी भी तरह से अपने लिए थोड़ी सी जगह बना ले। जगह बन गयी तो वह सफल है और अगर जगह नहीं बन पायी तो वह भी अपने आपको असफल मानता है और लोग भी उसे असफल समझते हैं। सबसे पहले तो हमें जीवन की इस संकुचित और दोषपूर्ण मानसिकता से अपने आपको तथा अपने बच्चों को बाहर निकालना चाहिए। दूसरी बात यह कि लोग किस बात को सफलता मान रहे हैं यह हमारे लिए मानक नहीं होना चाहिए। हमारे लिए जीवन की सफलता वह है जिसमें हम पूर्णता का अनुभव कर सकें। जीवन की सफलता जीवन की पूर्णता में है। कैरियर के रूप में हमें भी वही रास्ता चुनना चाहिए जिससे हमारे जीवन में हमें पूर्णता का अनुभव हो। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पूर्णता की इस अनुभूति का नौकरी और कैरियर एकमात्र रास्ता नहीं है। जीवन में पूर्णता का अनुभव करने के लिए बहुविध आयाम है। पारिवारिक, सामाजिक या फिर आंतरिक रूप से अपने आपको समृद्ध करके हम जीवन में इस पूर्णता और उस सच्चे सुख चैन को पा सकते हैं जिसकी तलाश कैरियर बनाने में करते हैं। लेकिन एक ओर जहां मां बाप पहली कक्षा से बच्चों को पढाई में अव्वल आने का दबाव बनाने लगते हैं वहीं दूसरी ओर थोड़ी समझ आते ही नौजवान कैरियवाद का शिकार बन जाते हैं। कैरियरवाद की अंधी दौड़ में शामिल होकर वो कुछ भी करने और कहीं भी जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। जीवन जीने के दोनों तरीके गलत हैं और ये दोनों ही तरीके किसी को भी सिर्फ अवसाद और हताशा की ओर ले जाएंगे। इसी गलत जीवन दर्शन का परिणाम है कि कभी छोटे छोटे अबोध बच्चे पढाई के बोझ से बचने के लिए घर छोड़कर भाग जाते हैं तो किशोर नौजवान कैरियर बनाने का दबाव झेलते झेलते फांसी का फंदा चुन लेते हैं। कोटा में 10 हजार करोड़ का कोचिंग कारोबार है। स्वाभाविक है कोई भी राज्य सरकार इसको बर्बाद नहीं करना चाहेगी। इसलिए पुलिस प्रशासन की ओर से आत्महत्या रोकने के लिए कुछ जरूरी इंतजाम किये जा रहे हैं। लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा जो उपाय किये जा रहे हैं वो सरकारी खानापूर्ति और दिखावटी हैं। समस्या वहां है ही नहीं जहां इसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है। समस्या परवरिश और कैरियर बनाने के पारिवारिक दबाव में है। घर परिवार और दोस्तों से दूर ये हताश निराश बच्चे एकांत पाते ही जीवनलीला समाप्त कर लेते हैं। 2016 से अब तक का आंकड़ा देखें तो कोटा में औसत हर साल 18-20 बच्चे आत्महत्या करते हैं। पिछले साल तो यह आंकड़ा 27 तक पहुंच गया है। फिर भी लोग हैं कि कैरियवाद की अंधी दौड़ में फंसकर अपने बच्चों को खुद ही मौत के मुंह में धकेल रहे हैं, बिना यह समझे कि उनके बच्चे की वास्तविक क्षमता या इच्छा क्या है। कोटा ही नहीं पूरे देश में बच्चों और क़िशोर नौजवानों को इससे बचाना है तो उन पर पढाई और कैरियर का दबाव डालने से बचना होगा। अपने बच्चों को उनकी स्वाभाविक रूचि का कैरियर बनाने दें। अपनी रुचि के क्षेत्र में जाएंगे तो नाम और पैसा तो बनायेंगे ही लेकिन उससे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि सच्चे सुख चैन से अपना जीवन बिताएंगे।

-संजय तिवारी-

लाइफ पार्टनर

लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज हो जब आपको एक अच्छा लाइफ पार्टनर या हमसफर या जीवनसाथी मिल जाए तो आपके जीवन का हर एक पल चाहे वह अच्छा हो या बुरा हो वो

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

यादगार होता है और दोनों पति-पत्नी मिलकर उसे ठीक भी कर लेते हैं यही एक पति-पत्नी के प्यार का सबूत है। चलिए आज की सच्ची घटना एक पति पत्नी पर आधारित है तो उसके बारे में लेखिका मुस्कान केशरी जी से जानते हैं । इस कपल की सबसे खास बात क्या है? पता है आप सभी को? नहीं ना तो चलिए आप सभी को बताते है कि दोनों पति-पत्नी बहुत ज्यादा सोचते हैं यानी यह दोनों ओवर थिंकर है। पति जो है वह बड़े से बड़े बात को छोटा करने के लिए सोचता है। पत्नी जो है वह छोटी सी छोटी बात को बड़े करने के बारे में सोचती है। अभी हाल ही की बात है। पति सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और पत्नी अभी ग्रेजुएशन की है उन्हें क्लश्स्र का फॉर्म डालना था। पत्नी काफी दिनों से कह रही थी अपने पति को कि मेरा फॉर्म डाल दीजिए मेरा फॉर्म डाल दीजिए बार-बार कहने पर भी उसके पति ने फॉर्म नहीं डाला। इसका सबसे बड़ा कारण यह था कि पति को कंपनी का वर्क लोड बहुत था। जिसके कारण वह ना ठीक से खा पा रहा था, ना सो पा रहा था और उसकी पत्नी भी उसके साथ नहीं रहती है इसलिए सारे काम उसे अकेले करना होता है। तो वह कहां से फॉर्म डाल पाता अब इसमें एक और भी बात है। उसकी जो पत्नी थी उसकी कुछ सहेलियां अभी पीजी कर रही थी वो भी बिहार यूनिवर्सिटी से। यह बात जब उसकी पत्नी को पता चला तो वो बहुत दुखी हो गई और अपनी पति से कहने लगी की देखिए ना सब बोल रही थी कि क्लश्ष्ठ करेंगे और खुद पीजी में एडमिशन करवा ली और मुझे बताई तक भी नहीं।अब मैं क्या करूं मेरा तो 1 साल बर्बाद हो गया। तो उसके पति ने कहा था परेशान मत हो मिथिला यूनिवर्सिटी से मैं तुम्हारा पीजी का फॉर्म डलवा देता हूं। तो पत्नी बोलती थी नहीं नहीं मिथिला यूनिवर्सिटी से नहीं करूँगी। बिहार यूनिवर्सिटी से ही करवाऊंगी। अभी पीजी का फार्म आएगा मैं डाल दूंगी और देखिए जब आया फॉर्म तो वह बार-बार पति को यह कह रही थी कि बिहार यूनिवर्सिटी से आता है पीजी का फॉर्म बिहार यूनिवर्सिटी से आता है। उसका पति तो बिहार से था भी नहीं और वर्क के कारण वह इतना देख भी नहीं पाया खोज भी नहीं कर पाया तो वह अपनी पत्नी के अनुसार पीजी का फॉर्म बिहार यूनिवर्सिटी के अनुसार खोज रहा था उसने कई दफा खोजा लेकिन नहीं मिला तो उसे पता चला कि मिथिला यूनिवर्सिटी ही पीजी का फार्म निकलता है फिर 29 अप्रैल को मिथिला यूनिवर्सिटी के द्वारा कुछ लिंक मिले थे जिस पर रजिस्ट्रेशन वगैरा करना था। उसने वहां पर रजिस्ट्रेशन किया लेकिन पत्नी को खाना बनाना था इसलिए वह बोली की अरे रहने दीजिए कल डाल दीजिए अभी रजिस्ट्रेशन करके छोड़ दीजिए। कल 1 मई को वह लोग फॉर्म डालने के लिए उसी लिंक पर वापस जाते हैं। जहां उन्होंने रजिस्ट्रेशन किया था वहाँ रजिस्ट्रेशन में एक्टिवेशन कोड दिया था और उनका यूजर आईडी था। वह डाल रहे थे बार-बार डाल रहे थ। बताया जा रहा था इनवेलिड यूजर आईडी इनवेलिड ईमेल आईडी।उनका लॉगिन हो ही नहीं रहा था कि वह फॉर्म डाल सके। उसका पति बिहार से बाहर था और पत्नी बेचारी बिहार थी। वो अकेले में इतना ज्यादा परेशान हो गई। कि क्या कहा जाए उसे लग रहा था। कि अब इसका एक साल बर्बाद हो चुका है। सब उसकों बोलेगे कि तुमने क्या कर दिया तुम तो इतनी पढ़ी लिखी हो फोन चलाने वाली लड़की हो तुमको यह नहीं पता है कि क्या कर रही हो नहीं कर रही हो कैसे तुमने पीजी का फॉर्म नहीं डाला तुमने पीजी का भी फॉर्म नहीं डाला क्या करना चाहती हूं। इसमें लेखिका कहना चाहती- आज के समय में लड़का हो या लड़की हर किसी पर जॉब का बहुत प्रेशर रहता है हर कोई चाहता है कि मेरे पास पैसे हों और मैं अपनी आजादी से अपने शौक पूरे करूं। इधर पत्नी इतना परेशान होकर रोने लगी और पति बेचारा जिस पर इतने सारे कामों का लोड था। वो भी परेशान हो गया कि मेरी पत्नी रो रही है। वो बार-बार उसे कॉल कर रहा था, मैसेज कर रहा था कि उठाओ बच्चा कुछ नहीं हुआ। तुम्हारा मै फॉर्म डाल दूंगा। मैं अलग से कोई तुम्हारे लिए कोर्स ले लूँगा।तुम यूपीएससी, बीपीएससी की तैयारी करों और तुम पढ़ने में इतनी अच्छी हो। पति लगातार अपनी पत्नी को हौसला दे रहा था प्रोत्साहित कर रहा था कि तुम आगे बढ़ सकती हो। उसके पति ने एक बहुत ही खास बात कही जो लेखिका के भी दिल को छुई। आज के समय में लोग पढ़ाई इसलिए नहीं करना चाहते हैं कि वह ज्ञानी बन जाए। बल्कि सभी लोग पढ़ाई इसलिए करना चाहते हैं ताकि वह जॉब कर सके पैसे कमा सके। तो पति लगातार समझाया अपनी पत्नी को। और उसकी पत्नी इस बात से इतना परेशान थी कि उसका एक साल बर्बाद हो गया और लगातार रोते-रोते रात बीती और पत्नी तो सो गई थी। लेकिन पति लगातार खोजता रहा और उसके लिए बहुत अच्छे-अच्छे क्रेज़ी क्रेज़ी पिक्चर भेजते रहा, बहुत सारी वीडियो बनाकर भेजा, बहुत सारे चॉकलेट्स का फोटो भेजो ताकि उसकी पत्नी वो सब देखकर खुश हो जाए। एक जो अच्छे लाइफ पार्टनर जो होते हैं जो चाहते हैं कि मेरी पत्नी एकदम खुश रहे बिल्कुल वैसे ही वो अपनी भूमिका निभा रहे थे और फाइनली उसने बहुत सारा यूट्यूब का लिंक भेजा, बहुत सारे जो नोटिफिकेशन आए वह भेजिए और फाइनली जब पत्नी सुबह में उठी तो उसने अपने सारे घर के काम करने के बाद देखा अपने पति का मैसेज तो उसे पता चला कि फॉर्म अभी 3 मई से शुरू होगा जो 26 मई तक फॉर्म भरा जाएगा और ठीक 1 महीने के बाद यानी 26 जून को परीक्षा होने वाला है तो सोचिए यहाँ किसकी गलती है पति की या पत्नी की गलती है। ऐसे गलती कुछ नहीं है मगर एक मिस अंडरस्टैंडिंग के कारण एक पति पत्नी का पूरी रात सिर्फ ओवरथिंकिंग में बीत गया तो इसलिए जागरूक रहे। हर क्षेत्र की जानकारी रखे, न्यूजपेपर पढ़े, मोबाइल चलाए तो इस सदुपयोग करे।।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईवीएम की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखने का निर्देश

भारत में लोकतंत्र की गहराई को अक्सर चुनावों की नियमितता और निष्पक्षता, राजनीतिक दलों की संख्या, मतदाताओं का आकार इत्यादि जैसे विविध मापदंडों द्वारा मापा जाता है। जिस चीज़ को शायद ही कभी स्वीकार किया जाता है वह संबंधित तकनीकी प्रगति का योगदान है जो वयस्क मताधिकार के इतने विशाल अभ्यास को पहले स्थान पर संभव बनाता है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की शुरूआत, जिसने चरणबद्ध तरीके से पेपर बैलेट की जगह ले ली, को भारत में चुनावी लोकतंत्र के विकास में एक केंद्रीय सिद्धांत के रूप में गिना जाना चाहिए। इसलिए, यह खुशी की बात है कि अलग-अलग लेकिन समवर्ती निर्णयों में, सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने ईवीएम की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, इस प्रक्रिया में, कागजी मतपत्रों की वापसी या 100त्न क्रॉस-सत्यापन की मांग करने वाली याचिकाओं का एक समूह खारिज कर दिया। मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल के साथ ईवीएम पर वोट डाले गए। सर्वोच्च न्यायालय का तर्क तर्क और प्रगतिवाद का मिश्रण था। जैसा कि याचिकाकर्ताओं ने मांग की है, वोटों की गिनती के पुराने तरीके पर लौटने से अनावश्यक देरी होगी, जनशक्ति में अधिक निवेश की आवश्यकता होगी और, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सिस्टम हेरफेर और त्रुटि के प्रति संवेदनशील हो जाएगा। शीर्ष अदालत भी उतनी ही सही थी जब उसने पाया कि भारत के चुनावों के सामने आने वाली स्तरित चुनौतियों और बड़े पैमाने को देखते हुए यूरोपीय देशों के साथ तुलना करना, जो पेपर बैलेट प्रणाली में लौट आए हैं, अन्यायपूर्ण है। चुनावों की अखंडता को और मजबूत करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशानिर्देश स्वागतयोग्य हैं और इससे चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ेगा।

विश्वास को मजबूत करने का यह मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। दरअसल, लोकतंत्र की पवित्रता चुनावी प्रयास में जनता के विश्वास मत पर निर्भर करती है। तथ्य यह है कि ऐसे विषय की जांच के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था, इसे बढ़ते मोहभंग के संकेत के रूप में समझा जा सकता है-विश्वास की कमी? -प्रक्रियाएं और संस्थाएं जो चुनावों के केंद्र में हैं। यह चिंता का विषय है और प्रधानमंत्री द्वारा किए गए तरीके से इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए- नरेंद्र मोदी ने फैसले को अपने राजनीतिक विरोधियों के चेहरे पर एक करारा तमाचा बताया। यदि प्रमुख संस्थानों की कार्यप्रणाली ने नागरिकों के एक छोटे से वर्ग के विश्वास को भी ठेस पहुंचाई है, तो संशय के कारणों का आकलन करने और उन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। यही लोकतांत्रिक तरीका है।

-त्रिवेणी-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं

मुख्यमंत्री के गृह जिले में बिना वन विभाग की अनुमति लिए ही सड़क निर्माण के दौरान पेड़ों को मशीन से उखाड़ने वाले ठेकेदार के विरुद्ध कब होगी कार्यवाही ?

- लोक निर्माण विभाग ने बिना वन विभाग के क्लीयरेंस कैसे दी ठेकेदार को काम करने की अनुमति ?
- वनों के पेड़ों को नुकसान पहुंचाने के बाद काम तो हो गया बंद पर सारे पेड़ों को कर दिया गया नष्ट
- जंगल के पेड़ों व जंगल को नष्ट करने के बाद काम बंद करने का उद्देश्य मात्र मामले को ठंडा करना रह गया ?
- जशपुर जिले के खुड़ियारानी धाम सड़क निर्माण ममाले में सारे नियम शिथिल कर बनाई जा रही है सड़क ?
- क्या मुख्यमंत्री का गृह जिला होने के कारण सारे नियम शिथिल कर बनाई जा रही है सड़क ?
- करोड़ों की लागत से बन रही है सड़क,सड़क निर्माण के दौरान काटे जा रहे हैं हरे भरे वृक्ष

घटती घटना | सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर ,शुक्रवार 17 अप्रैल 2024 | 3

मुख्यमंत्री के गृह जिले में सड़क निर्माण को लेकर नियमों का नहीं हो रहा पालन,हरे भरे वृक्ष को मशीनों से उखाड़ कर बनाई जा रही है सड़क

क्या जशपुर जिले के खुड़ियारानी सड़क निर्माण मामले में सारे नियम शिथिल कर बनाई जा रही है सड़क ?

क्या मुख्यमंत्री का गृह जिला होने के कारण सारे नियम शिथिल कर बनाई जा रही है सड़क ?

करोड़ों की लागत से बन रही है सड़क,सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार ने हरे भरे वृक्ष को मशीन से उखाड़ वृक्षों को पहुंचा नुकसान

Agreement Details

– भूपेन्द्र सिंह –
अम्बिकापुर/जशपुर 02 मई 2024 (घटती-घटना)।

पीडब्ल्यूडी विभाग ने बिना वन विभाग के क्लीयरेंस ठेकेदार को सड़क निर्माण की अनुमति कैसे दी ...कि ठेकेदार ने हरे-भरे पेड़ों को मशीन से उखाड़ कर नष्ट कर दिया? वहीं पहाड़ों को भी काट डाला? प्रदेश के सरगुजा संभाग में एक ऐसी सड़क का निर्माण जारी है जिसको लेकर सभी नियम शिथिल कर दिए गए हैं यहां तक की पर्यावरण को लेकर भी सड़क निर्माण में ध्यान नहीं दिया जा रहा है और सड़क निर्माण के दौरान हरे भरे वृक्षों को ठेकेदार ने बिना अनुमति पोकलेन मशीन से उखाड़ कर नष्ट किया गया, जिसमें कई वृक्ष पूरी तरह से नष्ट होगा जैसा देखने में आ रहा है। इस पूरे मामले में पीपीडब्ल्यूडी विभाग व वन विभाग दोनों चुप्पी साधे हुए हैं जहां वन विभाग जानता है कि उनके बिना अनुमति के निर्माण एजेंसी पीडब्ल्यूडी को सड़क निर्माण कार्य नहीं करना था फिर भी पीडब्ल्यूडी ने इस कार्य को नियम के विरुद्ध जाकर किया और ठेकेदार को कार्य करने की अनुमति दे दी, ऐसे में क्या दोषी पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों व ठेकेदार पर कार्यवाही हो पाएगी या फिर मुख्यमंत्री का गृह निवास होने की वजह से सब उनके मनसा अनुरूप हुआ है? इस वजह से सभी चुप्पी मारे बैठे हैं? पर यहां भी यदि नियमों की माने तो बिना वन विभाग के क्लीयरेंस के पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्माण सड़क का नहीं करना था फिर भी विभाग ने नियम के विरुद्ध जाकर ठेकेदार को अनुमति दे दी और ठेकेदार बिना सोचे समझे हरे भरे पेड़ों को मशीनों से उखाड़ कर धराशाही कर दिए और सड़क को चौड़ीकरण करने की वजह से पहाड़ों को भी उखाड़ा गया क्या इससे प्रकृति को क्षति नहीं पहुंची?

बता दें की वर्ष 2023 में पंद्रह करोड़ पंद्रह लाख की लागत वाली दो पक्की सड़कें स्वीकृत की गई थीं जो दोनों ही जशपुर जिले की थीं जिसमे कुल 8.04 किलोमीटर सड़क बनाए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई थी, एक सड़क कैलाशगुफा तक एवम एक सड़क खुड़ियारानी तक बनाए जाने की एक साथ स्वीकृति प्रदान की गई थी। खुड़ियारानी सड़क की लंबाई कुल 4.4 किलोमीटर है वहीं कैलाशगूफा सड़क की लंबाई 4 किलोमीटर है वहीं सड़क निर्माण के साथ साथ अगल बगल नाली निर्माण की भी स्वीकृति इस कार्य में प्रदान की गई है। अब सवाल यह उठ रहा है की क्या मामला मुख्यमंत्री के गृह जिले का है इसलिए सड़क निर्माण में नियमों को शिथिल किया गया है या बिना नियमों के पालन के सड़क बनाया जा रहा है। सड़क निर्माण के दौरान सबसे ज्यादा नियमो की अनदेखी इस मामले में देखी जा रही है की हरे भरे वृक्ष लगातार उखाड़ा जा रहा हैं। खुड़ियारानी पक्की सड़क निर्माण की लागत लगभग 8 करोड़ की है और 7 करोड़ के आसपास की लागत से कैलाश गुफा की सड़क बनाई जाएगी। माना जा रहा है की जब कांग्रेस शासनकाल में सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ तब यदि निर्माण कार्य जारी हुआ होता नियमों के पालन के साथ सड़क निर्माण कार्य किया जाता वहीं प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री चूंकि जशपुर जिले के ही बन गए इसलिए स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को बिना नियमों के पालन के ही बनाने की अनुमति प्रदान कर दी गई जो निर्माणाधीन है।

पर्यटन के रूप में विकसित करने की है योजना,उसी के तहत पक्की सड़क का हो रहा है निर्माण

जशपुर जिले का कैलाश गुफा क्षेत्र और खुड़ियारानी पर्यटन के रूप के विकसित किया जा सके इसलिए ही दोनो जगहों की सड़क पक्की बनाई जाने की योजना बनी थी, उसी के तहत पक्की सड़क का निर्माण भी हो रहा है। पर्यटन के रूप में जशपुर को अलग पहचान दिलाना भी उद्देश है सड़कों के निर्माण मामले में। वैसे खुड़ियारानी और कैलाशगुफा क्षेत्र पर्यटन के रूप में पहले से ही अपनी पहचान रखती हैं और चूंकि सड़कें कच्ची थीं जिन्हें बनाया जा रहा है। वैसे पर्यटन के लिए विकसित करने के लिए सड़क निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी की जा रही है जिसको लेकर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

खुड़ियारानी के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की मुख्यमंत्री ने की घोषणा बनी वृक्ष को नष्ट करने की वजह ?

प्रदेश के मुख्यमंत्री जब खुड़ियारानी पहुंचे थे तब उन्होंने घोषणा की थी की वह क्षेत्र को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक प्रयास जारी करेंगे वहीं क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को लेकर भी वह ध्यान देंगें। अब सड़क निर्माण और सड़क चौड़ीकरण के दौरान यह देखने को मिल रहा है की हरे भरे वृक्षों को उखाड़कर सड़क निर्माण किया जा रहा है। अब सवाल यह उठ रहा है की क्या सौंदर्यीकरण और पर्यटन के रूप में क्षेत्र को विकसित करने के लिए वृक्षों को ही नष्ट करने की की बात की गई थी उनके द्वारा वहीं सवाल यह भी उठता है की क्या यही वन क्षेत्र और पर्यटन को लेकर सरकार की प्राथमिकता है जिसमे हरे भरे वृक्ष को नष्ट करना ही विकास कहलाता है?

जिम्मेदार अधिकारी नहीं उठा रहे फोन,नहीं दे रहे हैं जवाब

पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं। पीडब्ल्यूडी सहित वन विभाग के अधिकारी मामले में मौन साधे बैठे हैं। किन किन मामलों में अनापत्ति मिली है यह जानने का प्रयास किया गया लेकिन अधिकारी जिम्मेदार फोन उठाने से कतराते नजर आ रहे हैं। अब सवाल पूछे भी तो किससे पूछें। मुख्यमंत्री के गृह जिले का मामला होने के कारण सभी मौन साधे हुए हैं।

काम बंद पड़ा है वृक्ष काटकर छोड़ दिया गया है

बताया जा रहा है फिलहाल काम बंद पड़ा है लेकिन हरे भरे वृक्ष बड़े पैमाने पर काटा गया है। अब वृक्ष काटने की अनुमति किसने दी और अनुमति थी फिर भी काम क्यों बंद है यह बड़ा सवाल है। मामला पर्यावरण से जुड़ा हुआ है और वृक्षों का नष्ट किया जाना बड़ी बात है क्योंकि अभी सरगुजा में वनों का कोयले के लिए काटा जाना ऐसा मामला है जो ठंडा नहीं पड़ा है और उसके बाद यह नया मामला है। वैसे क्या वन क्षेत्र को पर्यटन के लिए विकसित करने के लिए भी वनों को काटना जरूरी है। क्या कच्चे रास्तों से कोई पर्यटन क्षेत्र अपनी पहचान नहीं रखेगा?

पूर्व कांग्रेस सरकार में खुड़ियारानी में पक्के सड़क का निर्माण की स्वीकृत मिली पर वर्तमान भाजपा सरकार में सड़क निर्माण शुरू हुआ नियम को शिथिल कर ?

बता दें की जशपुर जिले के खुड़ियारानी में पक्के सड़क का निर्माण कार्य वर्ष 2023 में स्वीकृत हुआ था और तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी वहीं तब सड़क निर्माण कार्य जारी नहीं हो सका था जो अब जारी हुआ है और वर्तमान में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी जशपुर जिले से हैं और यह सड़क उन्हीं के क्षेत्र में बनाई जा रही है। बताया जा रहा है की करोड़ों की लागत से बनाई जा रही सड़क को लेकर कई नियम शिथिल कर दिए गए हैं जिसमे वन विभाग से अनापत्ति भी प्राप्त नहीं की गई है जैसा बताया जा रहा है और सड़क निर्माण के लिए हरे भरे वृक्षों को उखाड़ कर फेका जा रहा।

वन विभाग के बिना अनुमति 8.04 किलोमीटर सड़क निर्माण कैसे ?

बता दें की वर्ष 2023 में पंद्रह करोड़ पंद्रह लाख की लागत वाली दो पक्की सड़कें स्वीकृत की गई थीं जो दोनों ही जशपुर जिले की थीं जिसमे कुल 8.04 किलोमीटर सड़क बनाए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई थी,एक सड़क कैलाशगुफा तक एवं एक सड़क खुड़ियारानी तक बनाए जाने की एक साथ स्वीकृति प्रदान की गई थी। खुड़ियारानी सड़क की लंबाई कुल 4.4 किलोमीटर है वहीं कैलाशगूफा सड़क की लंबाई 4 किलोमीटर है वहीं सड़क निर्माण के साथ साथ अगल बगल नाली निर्माण की भी स्वीकृति इस कार्य में प्रदान की गई है। अब सवाल यह उठ रहा है की क्या मामला मुख्यमंत्री के गृह जिले का है इसलिए सड़क निर्माण में नियमों को शिथिल किया गया है या बिना नियमों के पालन के सड़क बनाया जा रहा है? सड़क निर्माण के दौरान सबसे ज्यादा नियमो की अनदेखी इस मामले में देखी जा रही है की हरे भरे वृक्ष लगातार काटे जा रहे हैं। खुड़ियारानी पक्की सड़क निर्माण की लागत लगभग 8 करोड़ की है और 7 करोड़ के आसपास की लागत से कैलाश गुफा की सड़क बनाई जाएगी। माना जा रहा है की जब कांग्रेस शासनकाल में सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ तब यदि निर्माण कार्य जारी हुआ होता नियमों के पालन के साथ सड़क निर्माण कार्य किया जाता वहीं प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री चूंकि जशपुर जिले के ही बन गए इसलिए स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को बिना नियमों के पालन के ही बनाने की अनुमति प्रदान कर दी गई जो निर्माणाधीन है।

क्या ठेकेदार पर होगी कार्यवाही ?

सरकार की अनुमति के बिना पेड़ को कटाना अपराध है। भारतीय वन कानून 1927 के अनुसार सेक्शन 68 के अंतर्गत पर्यावरण कोर्ट में मामला दर्ज हो सकता है। इसमें पेड़ों की चोरी, पर्यावरण को नुकसान पहुंचने और प्रदूषण एक्ट के तहत मामला दर्ज हो सकता है। ऐसे में ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति के दर्जनों पेड़ों को मशीन से उखाड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया क्या इस मामले में विभाग इस पर कार्यवाही करेगा?

चुनाव के दौरान 9 कंपनियां होंगी सुरक्षा में तैनात

- लोकसभा चुनाव को लेकर कलेक्टर,एसपी ने ली सुरक्षा बलों की बैठक

– संवाददाता –
अम्बिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा के तीसरे चरण के मतदान की तिथि नजदीक आ गई है। 5 दिन शेष बचे हैं। शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में सुरक्षा बलों के साथ बैठक की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, उपजिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त प्रकाश सिंह राजपूत,सीएसपी रोहित शाह उपस्थित थे।

निर्वाचन अवधि में जिले में निर्वाचन शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने कुल 9 कम्पनियां तैनात रहेंगी। जिसमें सीआरपीएफ की 6 कम्पनियां, एसएपी असम की 2 कम्पनियां एवं सीएएफ की एक कम्पनी शामिल है। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक ने निर्वाचन से सम्बंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने मतदान केंद्रों की व्यवस्था, संवेदनशील मतदान केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था, स्ट्रांग रूम आदि की जानकारी दी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोस्कर ने कहा कि आम जनता की सुविधा के लिए हम कार्य कर रहें हैं, मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, इसका ध्यान रखें। किसी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत अवगत कराएं। निर्वाचन के दिन मतदान केंद्रों का लगातार दौरा करें, जिससे जनता में विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम के मद्देनजर ड्यूटी के दौरान अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। पुलिस अधीक्षक ने जिले में सुरक्षा सम्बन्धी की गई व्यवस्था के सम्बंध में जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों की पूर्व में ही रेकी कर लें, सम्बन्धित क्षेत्र के थाना प्रभारी के साथ सारी व्यवस्थाओं की जांच करें। उपलब्ध कराए गए बुकलेट में मतदान केंद्रों के साथ-साथ सभी सम्बन्धित अधिकारियों के मोबाइल नम्बर दिए गए हैं, समस्या होने पर तुरन्त अवगत कराएं। मतदान दिवस के पूर्व के 48 घण्टों के पहले, ऐसे राजनीतिक व्यक्ति, को निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, उन्हें सीमा से बाहर किया जाता है, इस कार्यवाही में गम्भीरता बरती जाए। सभी कमांडर्स बलों को पूर्व में ही ब्रीफ कर आवश्यक जानकारी दें। उन्होंने कहा कि लगन से काम करें, और आम जनता से अच्छा व्यवहार रखें।

भाजपा जनकल्याण की स्कीम बनाती है...कांग्रेस स्कैम बनाती है : विष्णु देव साय

– संवाददाता –
अम्बिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संसदीय क्षेत्र के बलरामपुर जिला अंतर्गत शंकरगढ़ में आयोजित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मोदी जी ही गरीब, किसान,आदिवासी, पिछड़े, वंचित और युवा का कल्याण कर सकते हैं.. कांग्रेस का तो एक मात्र उद्देश्य है युवराज को लॉन्च करना और परिवार के लिए सत्ता का इस्तेमाल करना। उन्होंने कहा गरीब को जनधन खाते, पक्का आवास, गैस सिलेंडर, निःशुल्क राशन, उपचार की सुविधा सिर्फ मोदी जी ही दे सकते हैं...वह एक गरीब के बेटे हैं, इसलिए गरीब की ज़रूरत समझते हैं..कांग्रेस के लोग कहते थे राम मंदिर नहीं बन सकता, लेकिन जनता के सहयोग से मंदिर भी बना और 370 भी हट गई। श्री साय ने कहा कि प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था, एक बार फिर हम मोदी जी के नेतृत्व में विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर हैं...इसलिए उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना अत्यंत आवश्यक है। श्री साय ने कहा कि तीसरे चरण के लिए 7 मई को होने वाली वोटिंग में सरगुजा समेत सभी सात सीटों पर प्रदेश की जनता कमल खिलाएगी। उन्होंने कहा कि मोदीजी के तीसरी बार पीएम बनाने के इस उत्सव में कोई भी व्यक्ति पीछे न छूटे। सीएम ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ में पांच साल कांग्रेस की सरकार द्वारा किए गए भ्र्टाचार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना की तीसरी किश्त भेज दी गई है, कांग्रेस के लोग भी खाते चेक कर लें। श्री साय ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जिस तरह सरगुजा संभाग में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है, वैसा ही हश्र लोकसभा चुनाव में भी होना चाहिए। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा, भाजपा आपके हर वोट से जनकल्याण की स्कीम बनाती और उसे लागू करती है जबकि कांग्रेस आपके वोट से स्कैम करती है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जब-जब जीतती है तो पाकिस्तान में पटाखे फुटते हैं। मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ और भारत विकसित बनेगा। इस अवसर पर सरगुजा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज ने कहा कि जनता के हर वोट को देश के निर्माण में यदि कोई समर्पित कर सकता है तो वह भाजपा है, तीन महीने में छत्तीसगढ़ में जिस तरह मोदी जी की गारंटी पूरी हुई हैं, उससे यह साबित हो चुका है। इस अवसर पर श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा विधायक सामरी ने कहा कि इस बार मातृशक्ति ने ठाना है तीसरी बार मोदी जी को पीएम बनाना है, वहीं प्रतापपुर से विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते ने कहा कि यहाँ उमड़े विशाल जनसमूह ने कांग्रेसियों की नींद उड़ा दी है, अब वह चुनाव लडने् से अधिक हार का कारण खोजने में व्यस्त हैं। इस मौके पर बलरामपुर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने कहा कि बलरामपुर, सरगुजा और पूरा छत्तीसगढ़ एक बार फिर विधानसभा चुनाव से भी बड़ा जनादेश भाजपा को देने जा रहा है।

कलेक्टर व एसपी ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

– संवाददाता –
अम्बिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर ने पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के साथ पॉलीटेक्निक कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम में व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान मतदान दलों को सामग्री वितरण हेतु काउंटर निर्माण का अवलोकन किया गया और मतदान दलों की वापसी पर की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी ली। मतदान सामग्री वितरण हेतु विधानसभावार काउंटर बनाए गए हैं। कलेक्टर ने परिसर में वाहन पार्किंग व्यवस्था, और आवागमन की विस्तारपूर्वक जानकारी ली। इसके साथ ही परिसर में पर्याप्त विद्युत व्यवस्था किए जाने, पेयजल तथा गर्मी के मौसम के मद्देनजर आवश्यकतानुसार कूलर की व्यवस्था किए जाने का निर्देश दिया। एसपी ने सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत नूतन कंवर,उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, सीएसपी रोहित शाह, नगरनिगम आयुक्त प्रकाश सिंह राजपूत सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

झूठ की खेती से अब कांग्रेस को वोट नहीं मिलने वाले : किरण सिंह देव

– संवाददाता –
अम्बिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

पहले और दूसरे चरण में भाजपा को जिस तरह लोगों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है, उससे लोकसभा चुनाव में भी मोदी की गारंटी पर जनता की मुहर लगने शंखनाद हो चुका है। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए अबकी बार चार सौ पार के लक्ष्य को लेकर अभूतपूर्व उत्साह है। उक्त बातें गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष किरण सिंह देव ने अंबिकापुर के भाजपा कार्यालय संकल्प भवन में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में जिस तरह पीएम आवास, जनधन खाते,उज्वला,आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं,उससे एक लाभार्थी वर्ग खड़ा हुआ है। वह विकास के नाम पर पीएम मोदी को तीसरी बार देश की बागडोर सौंपने का मन बना चुका है। किरण सिंह देव ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में गरीब, किसान, आदिवासी, युवा, महिलाएं और किसान कांग्रेस को पूरी तरह खारिज करने जा रहे हैं। कांग्रेस सिर्फ गुमराह करने और समाज में झूठ की खेती कर रही है, इससे वह लोगों की नजरों से उतर चुकी है। कांग्रेस भूल जाती है कि जनता इतनी परिपक्व है कि वह समय आने पर सबक सीखाती है। उन्होंने कहा कि 7 मई को अगले चरण में रायपुर,दुर्ग,कोरबा,बिलासपुर,अंबिकापुर, रायगढ़ और जांजगीर-चांपा में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया, मण्डल अध्यक्ष मधु सूदन शुक्ला, ज़िला संवाद प्रमुख, संतोष दास, सह संवाद प्रमुख रुपेश दुबे, विजय व्यापारी, दुर्गाशंकर दास, सर्वेश तिवारी , रविशंकर जयसवाल ,सक्षम गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व पीएम इमरान की पत्नी की याचिका पर फैसला सुरक्षित,घर से अदियाला जेल में मांगा था स्थानांतरण

इस्लामाबाद, 02 मई 2024। पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की स्थानांतरण वाली याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुशरा ने खुद को अदियाला जेल में स्थानांतरित करने की याचिका लगाई थी, जहां पर उनके पति और पूर्व प्रधानमंत्री खान बंद हैं।

बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक इमरान खान कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। जबकि, उनकी 49 वर्षीय पत्नी बुशरा बीबी इस्लामाबाद में खान के घर बानी गाला में कैद हैं। फरवरी में, गैर-इस्लामिक निकाह मामले में जोड़े को सजा सुनाए जाने के बाद बानी गाला को उप-जेल में तब्दील कर

दिया गया था।

वकील ने बताया, कुछ ही घंटों में घर को बना दिया उप-जेल

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुशरा के वकील उस्मान गुल ने अदालत में कहा कि आवास को उप-जेल घोषित करने की प्रक्रिया कुछ ही घंटों में पूरी हो गई। अदियाला जेल अधीक्षक ने सूचित किया था कि वे बुशरा बीबी को नहीं रख सकते, क्योंकि जेल में पहले से ही भीड़भाड़ थी। उन्होंने कहा कि यह पहले ही तय हो चुका था कि बुशरा को बानी गाला में स्थानांतरित किया जाना है।

न्यायमूर्ति ने घर को उप-जेल बनाने पर उठाए सवाल

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति ने घर को उप-जेल घोषित करने पर कई सवाल उठाए। न्यायमूर्ति ने राज्य के वकील से पूछा, क्या आपको नहीं लगता कि यह पहले से ही तय था कि बुशरा बीबी को (घर) स्थानांतरित किया जाना है? बुशरा को घर भेजने के बाद कितनी महिलाओं को अदियाला जेल लाया गया है। सवाल किया कि बुशरा के बाद जेल में लाई गई 141 महिलाओं के पास क्या कम अधिकार थे। आप अन्य महिलाओं को भी घर क्यों नहीं भेजते। जिस पर सरकार के वकील ने जवाब दिया कि बुशरा को जेल में खतरे के कारण बानी गाला में स्थानांतरित कर दिया गया था।

6 फरवरी को शीर्ष अदालत में बुशरा ने दी चुनौती

बता दें कि बुशरा बीबी ने 14 साल की सजा काटने के लिए उन्हें बानी गाला में कैद करने के अधिकारियों के फैसले को 6 फरवरी को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। याचिका में खान की पत्नी ने कहा कि पार्टी के अन्य राजनीतिक कार्यकर्ताओं की तरह ही वह भी अदियाला जेल में अपनी सजा काटने के लिए तैयार हैं। संभावित सुरक्षा मुद्दों के कारण उन्हें बानी गाला स्थित उप-जेल परिसर में अकेले कैद रखा गया है, जिससे वह असुरक्षित महसूस करती हैं।

हम संविधान की सीमाओं से वाकिफ, न्यायपालिका में सेना के दखल के आरोपों का जनरल मुनीर ने किया खंडन

इस्लामाबाद,02 मई 2024। पाकिस्तान की राजनीति में शक्तिशाली सेना की भागीदारी और न्यायपालिका के कामकाज में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप के आरोपों के बाद पड़ोसी देश में हलचल मची हुई है। इस बीच पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने कहा है कि सेना संविधान की सीमाओं को अच्छी तरह से जानती है और दूसरों से भी ऐसी ही उम्मीद करती है।

प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाले दूसरों पर उंगली न उठाएं

जनरल मुनीर ने साफ तौर पर कहा कि जो लोग संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हैं वे दूसरों पर उंगली नहीं उठा सकते।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संविधान का अनुच्छेद 19 स्पष्ट रूप से बोलने की स्वतंत्रता और राय रखने की अभिव्यक्ति की सीमाओं को परिभाषित करता है।

खैबर पख्तूनख्वा के रिसालपुर में पाकिस्तान की वायुसेना (पीएएफ) की पासिंग आउट परेड के दौरान जनरल मुनीर ने ये बातें कहीं। पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने वायुसेना के कैडेट्स से कहा कि आप हमारे आसमान के रक्षक और हमारी भविष्य की उम्मीदों का केंद्र हैं।

पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने की थी यह टिप्पणी

जनरल मुनीर का यह बयान पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि न्यायपालिका को एक निश्चित कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करना न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप के समान है। मुख्य न्यायाधीश ने यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के छह सदस्यीय पैनल की अध्यक्षता करते हुए की थी। पैनल द्वारा न्यायपालिका के कामकाज में खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप के मामले की सुनवाई की गई थी। शीर्ष अदालत ने इस मामले पर पर स्वत- संज्ञान लिया था और इसके बाद अलग-अलग बार काउंसिल ने भी मामले में याचिकाएं दायर की थीं।

अमेरिकी विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थकों के तेवर आक्रामक...प्रदर्शकारियों पर पुलिस का बलप्रयोग

कैलिफोर्निया,02 मई 2024। अमेरिका में फलस्तीन के समर्थन में आवाज उठने का सिलसिला जारी है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी से शुरू हुआ विरोध-प्रदर्शन अब दूसरे कैंपस में भी अपना असर दिखा रहा है। लॉस एंजिल्स के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के कथित कब्जे से कैंपस को मुक्त कराने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बैरिकेड्स हटा दिए हैं। फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने जब पुलिस के आदेश को मानने से इनकार कर दिया तो 24 घंटे बाद उनके मजबूत कब्जे को हटाने के लिए पुलिस ने बलप्रयोग किया। खबरों के मुताबिक पुलिस को बलप्रयोग का सहारा लेना पड़ा। कई लोगों को

हिरासत में भी लिया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लाउडस्पीकर पर चेतावनी दी और कहा कि उन्हें कई घंटों तक हिरासत में रखा जा सकता है।

डंडों और सुरक्षा गियर से लैस पुलिसकर्मियों की सख्ती

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन के बलप्रयोग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस के हेलीकॉप्टर कैंपस के ऊपर मंडराते देखे गए। फ्लैश-बैंग्स की तेज आवाजें भी सुनी गईं। इसकी मदद से पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास करती है। अधिकारियों के पास आने पर प्रदर्शनकारियों ने सवाल किया कि पुलिस ने जरूरत के समय कार्रवाई क्यों नहीं की? प्रदर्शनकारियों ने पीछे न हटने का इरादा जाहिर करते हुए दो टूक लहजे में कहा कि प्रशासन शांति चाहता है, लेकिन हम इंसाफ की मांग कर रहे हैं। फेस शील्ड और सुरक्षा जैकेट से लैस पुलिसकर्मियों को डंडों, हेलमेट और गैस मास्क से भी लैस देखा गया।

गाजा में गहराते मानवीय संकट के खिलाफ छात्रों में उबाल

इसके अलावा अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में भी छात्रों के आक्रामक तेवर देखे गए। न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय की एक इमारत पर मंगलवार को दर्जनों प्रदर्शनकारी छात्रों ने कब्जा कर लिया। छात्रों ने प्रवेश द्वारों पर बैरिकेडिंग कर दी और इस्राइल-हमास युद्ध के विरुद्ध प्रदर्शनों में तेजी लाते हुए एक खिड़की से फलस्तीनी झंडा फहरा दिया।

पेरिस में भी दिखा प्रदर्शनकारियों के बीच आक्रोश

अमेरिका से बाहर भी गाजा के मानवीय संकट का मुद्दा विरोध का प्रमुख कारण बन रहा है। फ्रांस की राजधानी पेरिस से भी फलस्तीनियों के समर्थन में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन की खबरें सामने आई हैं। सोरबोन विश्वविद्यालय के पास दर्जनों छात्रों ने एकजुट होकर नारेबाजी की। लगभग 100 प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय के पास विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान फलस्तीनी झंडे लहराए गए और फलस्तीनियों के समर्थन में भाषणबाजी की गई।

हनुमान मंदिर में मुकुट और कड़ा चोरी के मामले में हिंदू संगठन के द्वारा थाने पहुंच घटना की निंदा कर कड़ी कार्रवाई की मांग

- संवाददाता -
लखनपुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 6 शिव मंदिर प्रांगण में स्थित हनुमान मंदिर में मुकुट और कड़ा चोरी करने के मामले में लखनपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं हिंदू संगठन के द्वारा लखनपुर थाने पहुंचकर घटना की कड़ी निंदा करते

हुऐ आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है। गौरतलब है कि 30 अप्रैल की दरमियानी रात लखनपुर हनुमान मंदिर में तीन युवकों के द्वारा हनुमान जी के मुकुट और कड़ा चोरी कर फरार हो गए थे। सीसीटीवी में यह घटनाक्रम कैद हो गई थी। लखनपुर पुलिस के द्वारा धारा 457,380,295 ,(क)के तहत अपराध पंजीकृत करते हुए। पुलिस के द्वारा सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर की गई। आरोपी फैजाब खान, सोनी खान, पुनीत यादव, को गिरफ्तार कर है। गौरतलब है कि आरोपियो क्षेत्र में हुए कई चोरी के मामले में संलिप्त है। तीनों आरोपी नशे के आदि हैंऔर इनके द्वारा कई चोरी घटना को अंजाम दिया गया है पुलिस थाने में उनके खिलाफ कई मामले दर्ज भी है।

वीजा देने में भारतीय कंपनी शामिल नहीं,कोलंबो में आगमन पर वीजा विवाद पर भारतीय उच्चायोग का जवाब

कोलंबो,02 मई 2024। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंका की मीडिया रिपोर्ट्स में किए जा रहे दावों का खंडन किया है। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा था कि भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (बीआईए) पर वीजा देने में गड़बड़ी के लिए एक भारतीय कंपनी को दोषी ठहराया गया। इसके बाद श्रीलंकाई अधिकारियों ने भी दावा किया कि कथित घटना के बाद भारतीय कंपनी ने हवाई अड्डे पर आगमन पर वीजा (वीजा ऑन अराइवल) काउंटरों को वापस ले लिया है। अब इस मामले में भारतीय उच्चायोग का कहना है कि कोलंबो हवाई अड्डे पर वीजा ऑन अराइवल प्रदान करने में कोई

भी भारतीय कंपनी शामिल नहीं है।

भारतीय उच्चायोग ने किया आरोपों का खंडन

भारतीय उच्चायोग ने कहा कि हमने कोलंबो हवाई अड्डे में भारतीय कंपनियों द्वारा वीजा जारी करने का काम अपने हाथ में लेने के संबंध में सोशल मीडिया समेत अन्य रिपोर्टें और टिप्पणियां देखी हैं। इन रिपोर्ट्स में बताई गई कंपनियां न तो भारतीय हैं और न ही इनका भारत से कोई संबंध है। आगे कहा गया है कि उन कंपनियों का मुख्यालय कहीं और है। बयान में कहा गया है कि इस बारे में भारत का नाम लेना ठीक नहीं है।

श्रीलंकाई अधिकारियों ने किया था यह दावा

बुधवार को श्रीलंका के आव्रजन अधिकारियों ने दावा किया था कि उन्होंने कोलंबो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वीजा ऑन अराइवल काउंटरों का नियंत्रण वापस ले लिया है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय कंपनी के चले जाने के बाद उन्होंने काउंटर्स का परिचालन अपने हाथ में ले लिया।

नाबालिग लड़की को अपहरण कर शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

दो माह पूर्व नाबालिग लड़की को भगाकर एक युवक अपने घर ले गया और उससे शादी करने का झांसा देकर बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था। इधर अचानक नाबालिग लड़की के गायब हो जाने पर परिजन ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र निवासी एक नाबालिग लड़की अचानक अपने घर से गायब

हो गई थी। काफी खोजबिन किए जाने के बाद भी जब वह नहीं मिली तो परिजन ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस ने आज्ञत के खिलाफ धारा 363 कायम कर तलाश शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने नारायणपुर आमापारा थाना रामानुजनगर जिला सूरजपुर निवासी शिवा प्रजाति उम्र 21 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह नाबालिग लड़की का अपहरण करेन की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीड़िता को बरामद किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी शादी का झांसा देकर उसके साथ बलात्कार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 366, 376 (2)(ढ) एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

महिलाओं के उत्पीड़न पर खामोश क्यों हैं प्रियंका : नितिन नबीन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा द्वारा अपनी ही पार्टी के नेताओं के ऊपर लगाए गए उत्पीडऩ के मामले पर अब भाजपा ने निशाना साधा है। बिहार सरकार में मंत्री तथा छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रभारी नितिन नबीन ने सूरजपुर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के उत्पीडऩ पर प्रियंका गाँधी की ख़ामोशी सवाल पैदा करती है। उन्होंने कहा उनकी अपनी ही पार्टी में महिलाओं के साथ कैसे अन्याय हो रहा है, यह सबके सामने है, इसके बाद भी वह चुप है। इसी तरह कांग्रेस शासित राज्यों में महिलाओं पर अत्याचार पर उनका दोहरा रवैया रहा है.। इससे पहले भी छत्तीसगढ़ और अन्य जगह कांग्रेस पार्टी के अधिवेशन तथा

बैठकों में महिलाओं के साथ प्रताडऩा के मामले आए है। उन्होने कहा, क्या यही महिलाओं के लिए कांग्रेस का न्याय है। नितिन नबीन ने कहा लोकसभा चुनाव में जनता और विशेष रूप से मातृशक्ति कांग्रेस को कड़ा सबक सिखाएगी। पत्रकारों से चर्चा करते हुए नबीन ने कहा की कांग्रेस और उसके नेताओं ने हमेशा सनातन का अपमान किया। यह कभी राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते है तो कभी रावण का गुणगान करते है। ऐसा मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा तेलंगाना में मुस्लिम आरक्षण के लिए दलित और ओबीसी आरक्षण को कांग्रेस खत्म करने का काम कर रही है। संविधान और आरक्षण को कांग्रेस खत्म करना चाहती है. भाजपा भारतीय संस्कृति पर होने वाले हर आघात का प्रतिकार करेगी।

राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में निकाली गई फ्लैग मार्च

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होना है। चुनाव कराने के लिए जिले में जवानों का आगमन हो चुका है। 1 मई की शाम को राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में 200 से अधिक सुरक्षा बल के जवानों ने शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए तीन टुकडियों में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च थाना कोतवाली से शुरू होकर गुदरी चौक होते हुए महामाया चौक पहुंची, जहां से जयस्तम्भ चौक,अग्रसेन चौक, संगम चौक पहुंचकर वापस गुदरी

200 से अधिक जवान हुए शामिल

चौक पहुंची जहा से फ्लैग मार्च पार्टी वापस थाना पहुंचकर फ्लैग मार्च को समाप्त किया। दूसरा फ्लैग मार्च सरस्वती शिशु मंदिर से निकलकर थाना गांधीनगर होते हुए साईं मंदिर तिराहा पहुंची जहां से फ्लैग मार्च आगे बढ़ते हुए अम्बेडकर चौक पहुंची इसके पश्चात फ्लैग मार्च बस स्टैंड से पुनः शुरू होकर गंगापुर, तुलसी चौक, कन्या परिसर रोड होते हुए वापस बस स्टैंड पहुंची। तीसरा

फ्लैग मार्च पार्टी अजिरमा से निकलकर भगवानपुर, सुभाषनगर, अम्बेडकर चौक, फूंदुरडिहारी चौक, नवापारा गोधनपुर पहुंचकर आमनागरिकों कों निष्पक्ष एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान कर वापस नवापारा से सुभाषनगर,भगवानपुर होते हुए अजिरमा पहुंचकर संपन्न हुई।

सरगुजा पुलिस द्वारा आदर्श आचार संहिता के पालन हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। सभी थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान स्थाई पिकेट के माध्यम से की जा रही है। वहीं बुधवार की शाम सुरक्षा बल द्वारा निकाले गए फ्लैग मार्च के दौरान जवानों ने आमनागरिकों से मतदान करने की अपील भी की। फ्लैग मार्च के दौरान जिला प्रशासन एवं सरगुजा पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस जवान शामिल रहे।

मधुमक्खियों के हमले में वृद्ध की मौत, पत्नी,बेटा व बेटी ने भागकर बचाई जान

- संवाददाता -

अंबिकापुर,02 मई 2024 (घटती-घटना)। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुन्नी में बुधवार की सुबह मधुमक्खियों ने एक वृद्ध पर हमला कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। वह पत्नी, बेटी व बेटा के साथ चार पत्ता फल तोडऩे जा रहा था।

जानकारी के अनुसार पीला राम पैकरा उम्र 65 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुन्नी का रहने वाला था। वह बुधवार की सुबह अपनी पत्नी फुलमती, बेटी रेश्मा, बेटा अमोल व एक अन्य रिश्तेदार के साथ चार पत्ता फल तोडऩे जंगल के पास खेत में जा रही थी। इस दौरान रास्ते में मधुमक्खियों के झूंड ने इन पर हमला कर दिया। इस दौरान चार लोग भाग कर अपनी जान बचाई पर पीला राम वृद्ध होने के कारण भागने नहीं पाया और वह गिर गया। मधुमक्खियों ने इसके पूरे शरीर पर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और मौके पर ही अचेत हो गया। मधुमक्खियों के भागने के कुछ देर बाद परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए कुन्नी अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टेंडर में जो देगा अच्छा कमिशन उसे मिल सकता है टेंडर:सूत्र

5 साल बाद होने जा रहा है कोरिया जिले में दवाओं और उपकरण का टेंडर

टेंडर में कमीशन का खेल होने की आशंका

मुख्य चिकित्सा अधिकारी टेंडर प्रक्रिया में अनियमित फैलाने के फिराक में,सूत्रों की माने तो छत्तीसगढ़ के बाहर की पार्टियों को टेंडर देने के फिराक में सीएमएचओ

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,02 मई 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले की पिछली सरकार में पूरे 5 साल तक स्वास्थ्य विभाग में दवाई खरीदी को लेकर कोई टेंडर नहीं हुआ मनचाहा दवाई खरीदी होती रही, जबकि वहीं पड़ोसी जिलों में टेंडर के तहत दवाई व उपकरण खरीदी की गई और कोरिया जिला ही एक ऐसा जिला था जहां पर मनमानी चरम पर थी और अब मौजूदा सरकार पर भी जब दवाई खरीदी की टेंडर होने की बात सामने आ रही है तो यहां पर भी टेंडर कमीशन की भेंट चढ़ने की कगार पर है, इसके साथ ही टेंडर भी निष्पक्ष तरीके से नहीं सेटिंग के तरीके से अपने चाहेतो को देने के तैयारी हो रही अब ऐसे में सवाल यह चढ़ता है कि 5 साल बाद टेंडर होने का निर्णय लेने के बाद किया संबंधित अधिकारी टेंडर को भी कमीशन के भेट चढ़कर अपनी जेब भर लेंगे? सूत्रों का कहना है कि जितना लगाकर पद पर बने हुए हैं वह भी तो वसूलना है इस वजह से दवाई का टेंडर में कमीशन का खेल कर जितना पैसा लगाकर अपने पद पर आसीन है उसे पैसे को इस दवाई की टेंडर से कमीशन के तौर पर निकलना संबंधित अधिकारी का उद्देश्य है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एस सेंगर ने लगभग 5 करोड़ की विभिन्न दवाओं और उपकरण का टेंडर निकाला है, जो लोकसभा चुनाव के बाद खोला जाएगा, इस टेंडर के पीछे बड़े कमिशनखोरी की तैयारी की जा रही है, टेंडर अपने चहेते वेंडर को मिले इसके लिए साहब ने तैयारी पूरी कर रखी है। इसलिए टेंडर लिफाफे खोलने की पद्धति अपनाई गई है जबकि ये टेंडर ऑनलाइन खोले जाने चाहिए थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के द्वारा आचार संहिता लागू होने के ठीक 4 दिन पहले टेंडर निकाला गया, ऐसा जानबूझकर किया ताकि आचार संहिता के दो महीने तक कोटेशन से दवाओं की खरीदी मनमाने तरीके से की जा सके, वही राज्य के दूसरे जिलों में टेंडर की पूरी प्रक्रिया जनवरी माह में ही पूरी कर ली गई है तो कोरिया में ऐसा क्यों किया है इस पर सवाल खड़ा हो रहा है। और सबसे बड़ी बात कि इस टेंडर में स्थानीय कोई टेंडर न ले इसके लिए सूत्र बताते है कि सीएमएचओ खुद व्यापारियों से मिलकर खुद के हिस्से की गुहार लगाने भी पहुंच गए और बोले एक दो दवा का सप्लाई आप कर लो बाकि मेरे लिए तो सोचो मेरे को क्या मिलेगा। तय है टेंडर निकाले जाने के पहले ही जिसे टेंडर दिया जाना है सीएमएचओ तय कर चुके है इसलिए स्थानीय व्यापारियों से टेंडर न लेने की गुहार के साथ खुद का हिस्सा मांग रहे है।

10 प्रतिशत हिस्से की मांग

सीएमएचओ कार्यालय के सूत्रों की माने में हर हस्ताक्षर में सीएमएचओ 10 प्रतिशत की मांग रहती है इससे नीचे वो नही डिमांड करते,सूत्र यह भी बताते है जब वो एक माह के लिए सीएस बने थे तो बाबुओं से सीधे 15 प्रतिशत की मांग की थी, मना करने पर उन्होंने प्रशासन को अनाप शनाप बता तमाम जांच करवानी शुरू कर दी।

एजेंट के पहुंच लिफाफा पहुंचा कट जाएगा चेक

सूत्रों की माने तो सीएमएचओ का एजेंट बाबू सचिन विश्वास ऐसा बाबू है जो किसी के भी बिल बिना लिए पास नही करता है कइयों के बिल सालों से अटके है, जो बिल पास करवाने जाते है उनसे वो सीधे 20 प्रतिशत की मांग करता है, सीएमएचओ कार्यालय में दवाओं की खरीदी में इस बाबू और सीएमएचओ की जुगलबंदी किसी से छिपी नही है, बाबू लंबे अरसे से एक ही पद पर जमा हुआ है, टेंडर प्रकिया के निर्माण में इस बाबू की बड़ी भूमिका बताई जा रही है।

जेनरिक टेंडर में इथिकल दवा

जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा निकाले टेंडर में जेनरिक दवाओं की मांग की गई है जबकि सूची में ऐसे ऑय ड्राप का नाम 3-3 बार अलग से लिखा गया है और एक ही कंपनी को फायदा पहुंचाने इथिकल नाम से ड्राप की डिमांड की गई है जो कि यह दर्शा रहा है कि टेंडर पहले से ही फिक्स कर दिया गया। सूत्र बताते है कि इथिकल में बी वॉन बेनिफिशल और जेनरिक में मल्टीविटामिन ड्राप के नाम भी डाला गया है ये टेण्डर मैनेज करने के नाम से किया गया है। सीएमएचओ की मंशा यही है कि हर हाल में टेंडर से उनको और चहेते ठेकेदार को फायदा पहुंचे।

उपकरण के सप्लाई में बड़ा झोल

उपकरण के टेंडर लिस्ट में अपने मित्र सप्लायर की मदद से पूरा स्पेसिफिकेशन लिखा गया है ताकि लोकल व्यापारी इसे पूरा न कर सके। और उनके चहेते को टेंडर मिल सके। यदि टेंडर ऑनलाइन हो जाता तो उनके मित्र व्यापारी को इसका फायदा नही हो सकता है। राज्य सरकार को चाहिए कि इस टेंडर को निरस्त करके नए सिरे से ऑनलाइन टेंडर जारी करें और वर्तमान टेंडर की जांच कर कार्यवाही की जाए।

आखिर डिप्टी कलेक्टर में कमियों के बावजूद जांच समिति ने कैसे कर दिया तबादला निरस्त?

अंततःकोरबा जिले की एक डिप्टी कलेक्टर अपना स्थानांतरण यथावत करवा पाने में हुई सफल

क्या कार्यालय कलेक्टर कोरबा द्वारा डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह को भारमुक्त करने का जारी आदेश दिखावा मात्र रह गया था?

अब इसमें यह भी एक पक्ष या मामला हो सकता है की कार्यालय कलेक्टर कोरबा द्वारा डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह को भारमुक्त करने का जारी आदेश दिखावा मात्र हो और भारमुक्त करने का दिखावा करके शासन के आदेश को ही अमान्य किया गया हो जबकि डिप्टी कलेक्टर भारमुक्त होकर भी कटघोरा की अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बनी हुई हों, वहीं एक पक्ष या मामला यह भी हो सकता है की भारमुक्त होकर भी वह पुराने मामले निपटाने में लगी हुई हों और जिसके तहत ही उन्होंने भारमुक्त तिथि के बाद भी आदेश जारी कर दिया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटघोरा जिला कोरबा की हैसियत से डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह जिनका तबादला कोंडागांव किया गया है और कलेक्टर कार्यालय ने भारमुक्त भी कर दिया है ने एक पटवारी को आदेशित किया है जिसमे एक भूमि का रकबा दुरुस्त करने का उन्होंने आदेश जारी किया है। अब भारमुक्त होकर वह या तो अभी भी कटघोरा की एस डी एम हैं या वह मनमानी के तहत आदेश जारी कर रही हैं जो उनकी पुरानी आदत रही है।

जहां-जहां कार्य कर चुकी हैं उक्त महिला राजस्व अधिकारी,वहां-वहां मनमानी का उनका रहा है इतिहास

कोरबा जिले की जिस महिला राजस्व अधिकारी को लेकर यह मामला समाने आया है वह अपने नौकरी के आरंभ काल से ही अपनी मनमानी के लिए प्रसिद्ध रही हैं,वह जहां-जहां कार्य कर चुकी हैं वहां-वहां वह अपनी दोषपूर्ण कार्यप्रणालियों को लेकर सुर्खियों में ही रही हैं। राजस्व मामलों में उनकी मनमानी हर जगह देखने को मिली है। सरगुजा संभाग में वह जहां जहां रहीं वहां वहां लोग राजस्व मामलों में परेशान ही रहे वहीं अब कोरबा जिले में भी अपनी मनमानी कायम रखे हुए हैं जो देखने को मिल रहा है।

कोरबा ना छोड़ना पड़े इसके लिए हो रहा पूरा प्रयास राजनीतिक पैरवी भी जारी

कोरबा से महिला राजस्व अधिकारी ऋचा सिंह नहीं जाना चाहती हैं, वह पूरी पैरवी करा रही थी जिससे उन्हे कोरबा न छोड़ना पड़े। वैसे फिलहाल वह भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं और उन्हे प्रभाव और झांसे में वह लेने का प्रयास कर रही थी और सफलता भी मिली स्थानांतरण निरस्त कर यथावत का आदेश दिया गया, जबकि उनको लेकर यह सर्वविदित है की वह कांग्रेस पार्टी की मानसिकता से प्रेरित रही हैं जो कांग्रेस शासनकाल में लगातार देखने को मिला था और तब उन्हे कांग्रेस नेताओं का काफी संरक्षण भी मिला करता था वहीं कई शिकायत और कई गंभीर आरोपों साथ ही जांच के बावजूद उनकी पदोन्नति भी कांग्रेस शासनकाल में ही संभव हुई थी जो शायद नियम से होनी नहीं थी जब तक जांच संस्थित थी। वैसे इनकी पदोनत्ती काफी गोपनीय तरीके से हुई कांग्रेस शासनकाल में और मामले को इसलिए छिपाया गया क्योंकि तब महिला अधिकारी कई गभीर आरोपों से घिरी हुई थीं।

क्या समिति भी प्रभावशील डिप्टी कलेक्टर के सामने हो गई नतमस्तक या फिर किसी मंत्री के कहने पर स्थानांतरण किया गया निरस्त?

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,02 मई 2024
(घटती-घटना)।

जिले की एक डिप्टी कलेक्टर ने अपना तबादला आखिर रुकवा ही लिया। हमेशा सुर्खियों में रहने वाली खासकर नौकरी के आरंभ से ही सुर्खियां बटोरने वाली डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह जिनका तबादला ऐन चुनाव के पूर्व कोरबा जिले से कोंडागांव के लिए हुआ था को निरस्त कर दिया शासन ने। शासन ने तबादला संदर्भ में एक समिति बनाई थी जो जांच कर और आवेदनों पर विचार कर तबादला निरस्त करने के लिए बनाई गई थी उस समिति ने ही डिप्टी कलेक्टर का तबदला निरस्त कर दिया। वैसे जांच समिति ने ऐसे डिप्टी कलेक्टर का तबादला कैसे निरस्त किया जिसकी सुर्खियां पूरे प्रदेश में है वहीं सरगुजा संभाग में जिनकी सुर्खियां सबसे ज्यादा हैं।

पूरे मामले में सबसे बड़ी बात यह है की डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह जब तहसीलदार थीं तब वह सरगुजा संभाग में थीं और तब कांग्रेस का शासनकाल था प्रदेश में और तब भी उनकी तूती बोलती थी व्यवस्था में और अब जब भाजपा शासनकाल है तब भी उनकी ही तूती बोल रही है और वह जैसा चाह रही हैं वैसा ही हो रहा है। सूत्रों की माने तो डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह एक ऐसी अधिकारी हैं जिनकी कई विभागीय जांच लंबित है और जिन मामलों में उन्हे एक बार पदोन्नति से भी चुकना पड़ा था लेकिन बाद में उन्होंने कांग्रेस शासनकाल में ही जुगाड भिड़ाकर अपनी पदोन्नति करा ली थी वहीं उन्होंने तब मनचाही ही पदस्थापना ली थी जो कोरबा जिला था क्योंकि कोरिया में कार्यरत रहते हुए क्षेत्रीय सांसद से उनके संबंध मधुर थे और तब सांसद सत्ताधारी दल की थीं और उन्होंने मदद की थी जैसा सूत्रों का कहना है वहीं अब जब सत्ता भाजपा की है उन्होने भाजपा नेताओं से भी बेहतर संबंध बना लिए हैं और वह उन्हे भी अपना तबादला रुकवाने में इस्तेमाल कर चुकी हैं ऐसा बताया जा रहा है। कुल मिलाकर जिसकी भी सत्ता होगी ऋचा सिंह डिप्टी कलेक्टर की तूती बोलती ही रहेगी।

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,बुधवार 10 अप्रैल 2024 | 5
गजब की अधिकारी...स्थानांतरण के बाद 15 मार्च को हो गई थी भारमुक्त...
भारमुक्त होने के बाद भी 19 मार्च को एक प्रकरण में उन्होंने कर दिया आदेश!

घटती घटना | कोरबा-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर,शुक्रवार 21 मार्च 2024 | 6
क्या डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह की मनमानी भाजपा शासनकाल में भी जारी?

क्या राज्य निर्वाचन अधिकारी भी नहीं ले सके इस मामले में संज्ञान?

पूरे मामले में सबसे बड़ी बात यह है की यह महिला राजस्व अधिकारी चुनाव आयोग के ही आदेश को चुनौती दे रही है वहीं यह चुनाव आयोग के निर्देशों के तहत जारी तबादला आदेश की अवहेलना कर रही है। बता दें की महिला राजस्व अधिकारी ऋचा सिंह का तबादला चुनाव आयोग के निर्देश के तहत हुआ है और वह उसके बाद भी कोरबा जिला नहीं छोड़ना चाहती हैं क्योंकि उनकी पदस्थापना कोरबा जिले में वर्तमान सांसद के प्रयासों से कोरिया जिले की पूर्व कांग्रेस विधायक के कहने पर हुआ था और वर्तमान में वही सांसद कांग्रेस प्रत्याशी भी हैं। बताया जा रहा है की पूर्व कांग्रेस विधायक जिनसे महिला राजस्व अधिकारी को घनिष्ठता थी के एहसान जो उनकी तब पदस्थापना को लेकर उन्होंने की थी को राजस्व अधिकारी उतारना चाहती हैं और कांग्रेस की कोरबा लोकसभा प्रत्याशी की वह मदद करना चाहती हैं इसलिए वह कोरबा जिला नहीं छोड़ना चाहती हैं। अब निर्वाचन आयोग भी इस मामले में संज्ञान नहीं ले पाया?

स्थानांतरण के पश्चात 15 मार्च को हुई भारमुक्त...भारमुक्त होने के पश्चात पश्चात 19 मार्च को एक प्रकरण में कर दिया आदेश,क्या नही होनी चाहिए कार्यवाही?

बता दें की कोरबा जिले में पदस्थ रह चुकी डिप्टी कलेक्टर साथ ही कटघोरा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जिनका मार्च माह में कोरबा जिले से कोंडागांव जिले के लिए तबादला कर दिया गया था वहीं जिन्हे विभाग द्वारा 15 मार्च को ही जिले से भारमुक्त कर दिया गया था की एक नई मनमानी सामने आई है जिसमे उन्होंने 19 मार्च को एक आदेश जारी कर दिया है वह भी बतौर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटघोरा की हैसियत से जबकि उन्हे कार्यालय कलेक्टर कोरबा द्वारा 15 मार्च को ही नई पदस्थापना के लिए कोंडागांव जिले के लिए भारमुक्त कर दिया गया है। पूरे मामले में प्रथम दृष्टया जारी आदेश को जो अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटघोरा की हैसियत से स्थांतरित डिप्टी कलेक्टर ने जारी किया है को देखकर यही कहा जा सकता है की यह कहीं न कहीं बड़ी मनमानी है और यह शासन से जारी तबादला आदेश की अवहेलना है साथ ही कार्यालय कलेक्टर कोरबा के उस आदेश की भी अवहेलना है जिसके तहत डिप्टी कलेक्टर साथ ही कटघोरा की अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वह भी वह अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जिनका तबादला कोंडागांव किया गया है को जिले से भारमुक्त किया है। सवाल यह है की क्या इस गलती पर कार्यवाही नहीं होनी चाहिए?

पर्व शासनकाल में कांग्रेस विधायक की थीं खास,उनके कारण सांसद की भी थीं करीबी,क्या इसीलिए कोरबा में मिला था उन्हे कार्य करने का मौका?

महिला राजस्व अधिकारी कांग्रेस शासनकाल में कोरिया जिले की एक विधायक की करीबी थीं वहीं उनके प्रभाव के कारण वह कांग्रेस शासनकाल में अपनी मनमानियों के लिए काफी प्रसिद्ध थीं,तब वह राजस्व प्रकरणों में फरियादियों को लगातार परेशान किया करती थीं जिसके कारण उनकी कई बार शिकायत भी हुई वहीं उनके कार्यकाल में तब भूमाफिया भी काफी फले फूले,अपने रिश्तेदारों के नाम से भी उन्होंने कई जगह जमीन बनाई यह भी उनके ऊपर आरोप लगा। वही कांग्रेस की महिला विधायक के साथ घनिष्ठता की वजह से उनकी पहचान और घनिष्ठता तब महिला सांसद से भी हुई और इसलिए उन्हे कोरबा जिले में पदस्थापना मिली यह माना जाता है।सत्ता परिवर्तन के बाद अब वह भाजपा शासनकाल में भी मनमानी करती नजर आ रही हैं । वैसे तब उनके कारण कांग्रेस विधायक और सांसद की भी आलोचना हुई थी और ऐसा ही रहा तो अब भाजपा नेताओं की भी आलोचना होगी क्योंकि महिला राजस्व अधिकारी राजस्व मामलों में काफी शातिर तरीके से काम करने में माहिर हैं और फरियादियों को परेशान करना राजस्व मामलों के उनकी आदत रही है।

पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में मतदाता जागरूकता के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान का दिया गया संदेश

-संवाददाता-
कोरबा,02 मई 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 में आमजनों की शत प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने जिले में निरंतर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीप के तहत बाईक रैली, मानव श्रृंखला, दीवार लेखन, नारा लेखन, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, पेंटिंग, भाषण, मेहंदी, रंगोली जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आमजनों को मतदान में सक्रियता से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में पोड़ी उपरोड़ा के मांचाडोली में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0...../अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन - सूरजपुर को सूचित किया जाता है श्री अमित कुमार जायसवाल आ.स्व. प्रताप सिंह जायसवाल व श्रीमती आकांक्षा जायसवाल पति श्री अमित कुमार जायसवाल जाति कलार निवासी ग्राम - सूरजपुर तहसील व जिला- सूरजपुर(छ0ग0) के द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम -सुरजपुर प.ह.नं.11 रा.नि.म. तहसील सुरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 132/11 रकबा 0.020 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया हैं।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 06/05/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/04/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0202404021700002-अ/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल आ0 लखन निवासी ग्राम-डिगमा तहसील-अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) द्वारा स्वामित्व की ग्राम-नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नं. 168 रकबा 1.000 हे. में से 0.612 हे0 (01 एकड 53 डिसमिल) भूमि आवेदक को अपने निजी जरूरतों हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक धर्मेन्द्र कुमार जायसवाल आ0 हीरा प्रसाद जायसवाल निवासी बौरीपारा तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) व अन्य 02 को रू0 1025000(दस लाख पच्चीस हजार रूपये) में विक्रय करने कि अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ हैं। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/05/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा- आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा -आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 01/04/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

अपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं, 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितंबर, 2018 के निर्णय के अनुसार) (पब्लिक इंट्रेस्ट फाउंडेशन और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य)

अभ्यर्थी का नाम और पता :- **अरविन्द कच्छप, ठाकुरपुर, पोस्ट एवं तह0 अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0**

राजनैतिक दल का नामः **निर्दलीय**

(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखें)

निर्वाचन का नामः **लोकसभा 2024**

निर्वाचन क्षेत्र का नामः **01 सरगुजा**

मै **अरविन्द कच्छप** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने अपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता/करती हूं।

(क)	लंबित आपराधिक मामले			
क्र.सं.	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं तारीख	मामले (मामलों) की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (धाराएं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
	न्यायायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बिकापुर	242/17	लंबित	295 क, 297 भा0द0वी0

(ख)	अपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण		
क्र.सं.	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शों) की तारीख (खें)	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण	अधिकतम अधिरोपित दंड

राज्य सभा के निर्वाचन या विधान सभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद् के निर्वाचन के मामले में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

इलेक्ट्रोल बॉन्ड के नाम पर भ्रष्टाचारियों से चंदा लेने वाली भाजपा से सावधान रहने की जरूरतः प्रियंका गांधी

आम नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वाली कोविशील्ड ने भी दिया चंदाः प्रियंका गांधी

पूछा सवाल की अन्य पार्टियों के कथित नेता भ्रष्ट होते हैं वह भाजपा में जाकर कैसे साफ सुथरे हो जाते हैं क्या बीजेपी के पास है इसका जवाब?

आम नागरिकों से जागरूक होकर अपने हितों की रक्षा के लिए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील...

सबका पसीना है सबका खून है इस धरती में किसी का एकल अधिकार नहीं है...

प्रियंका गांधी ने लोगों से आग्रह किया कि आप जागरूक बनिए। संविधान बदलने की बात करने वाले लोगों की नियत को समझिए वे आपके अधिकारों का हनन करना चाहते हैं इनके और उनके बड़े नेताओं की नीयत से ही नहीं है।आप इस मामले को समझो और उसके बाद मतदान करो। सबका देश है सबका पसीना है सबका खून है। इस धरती में किसी का एकल अधिकार नहीं है, हम कोरबा लोकसभा के लिए कुछ अलग करना चाहते हैं लोकसभा में कोयला से आधारित अन्य कई उद्योग खोलेंगे कोयला उत्खनन के दौरान जो जमीनों का स्वरूप बदल गया है, उसे समतलीकरण करेंगे । चिरमिरी में ट्रेन और बढ़ाई जाएगी भूमिहीनों को भूमि दी जाएगी, जैसी बहुत सारी योजनाएं जो हमारे घोषणा पत्र में आपको बताई गई है हम इस बात की गारंटी देते हैं कि सरकार बनते ही इन्हें लागू की जाएंगे और आप लोगों को राहत देने का सफल प्रयास किया जाएगा।

-संवाददाता-
एमसीबी,02 मई 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में पहुंची हैं. प्रियंका गांधी चिरमिरी के अमरकुंज खेल मैदान में चुनावी सभा कर रही हैं। प्रियंका कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के लिए चुनाव प्रचार कर रही हैं, न्याय संकल्प सभा के मंच पर कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता मौजूद हैं। पूर्व सीएम भूपेश बघेल, छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू अमरजीत भगत सहित कई पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता मौजूद हैं, कोरबा लोकसभा सीट पर 7 मई को मतदान होना हैं, रविवार शाम को इस सीट पर चुनाव प्रचार थम जाएगा, कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के बीच कड़ी टक्कर भाजपा की सरोज पांडे से हैं। विदित हो कि जैसे-जैसे गर्मी अपने चरम

पर पहुंच रही है वैसे-वैसे क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां बड़ी तेज हो चली है, आरोप प्रत्यारोप का दौर चल रहे हैं। वही दोनों पार्टियों आम जनों को लुभाने वादे कर अपनी तरफ मतदान करने की अपील करती दिख रही हैं। इसी क्रम में आज कांग्रेस पार्टी की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी भी चिरमिरी में हजारों नागरिकों के भीड़ के बीच कांग्रेस के पक्ष में प्रचार प्रसार करने हेतु पहुंची हुई है, अमर कुंज खेल मैदान में उपस्थित आमजनों को संबोधित करते श्रीमती प्रियंका गांधी ने कहा कि हमारा देश एक लोकतांत्रिक देश है। जनता को ताकत मिली है सरकार को चुनने की और जो सरकार बेहतर कार्य न करें उसे बदलने की हम चाहते हैं कि आप अपने विवेक से निर्णय ले कि आपके लिए बेहतर कौन है? देश में 70 करोड़ लोग बेरोजगार हैं देश के युवाओं को जिन संसाधनों से रोजगार मिलता है उन संसाधनों को आज की सरकार बंद कर रही है और अपने उद्योग पति मित्र को उन संसाधनों को बड़ी सरलता से मुहैया करा दे रही है, यही कारण है कि बेरोजगारी चरम पर है। सभी संसाधनों पर जीएसटी लगा दिया गया है, इन्हीं सब कारणों से आम जनता महंगाई की दंश झेल रही है कुछ लोग आपके पास आते हैं और धर्म को आधार बनाकर आपसे अपने पक्ष में मतदान करने की बात करते हैं यह नेता जानते हैं कि धर्म की चर्चा करके ही चुनाव जीता जा सकता है तो काम करने की क्या आवश्यकता है?

हर बार वह धर्म की बात करते हैं आपके धर्म को संकट में है बात कर आपको डराते हैं...

प्रियंका गांधी ने कहा हर बार वह धर्म की बात करते हैं आपके धर्म को संकट में है बात कर आपको डराते हैं और फिर आपके 20 कीमती वोट ले लेते हैं। आपको जागरूक होना है जब आप अपने संविधान को समझेंगे तब बदलाव आएगा। आजादी का मतलब था आपको बुनियादी सुविधाएं मिले हमारे नेता लड़े अपनी जान की आहुतियां दी तब यह देश को आजादी मिली। आपको जागरूक होना है कोई कुछ भी कहे भ्रमित नहीं होना है। हमारे देश में परंपरा है आंदोलन की आजादी भी हमें आंदोलन से मिली आज आपके क्षेत्र में प्रकृति को संरक्षित करने वाले बेस कीमती पेड़ों को काटा जा रहा है। देश की संपत्तियों को उद्योगपतियों को दिया जा रहा है। उद्योगपति के द्वारा सभी पेड़ काटे जा रहे हैं जब लोगों ने इसका विरोध किया तो उनके घर जला दिए गए उन्हें बलपूर्वक दबाया जा रहा है। हमने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के लिए रोजगार गारंटी थी अब शहरी क्षेत्र के रोजगार के लिए भी हमने योजना लाई है। हम शहरी क्षेत्र के लोगों को भी 100 दिन रोजगार देना चाहते हैं, महिलाओं के बारे में श्रीमती गांधी ने कहा कि महिलाओं का संघर्ष हमेशा से बड़ा रहा है। परिवार पालते हैं घरेलू कार्यों के अलावा अक्सर बाहर जाकर के रोजगार भी करना पड़ता हैं। आप अपने बच्चों को ही नहीं पालते आप देश की नई पीढ़ी पाल रहे हैं। महिला आरक्षण यह 10 वर्षों से लागू नहीं कर पा रहे हैं। पूरे देश में महिलाओं पर खूब अत्याचार हो रहे हैं। यह महिलाओं को 1000,1200 देने की बात करते हैं। क्या 1000 में एक सिलेंडर मिल सकता है। युवा रोजगार मांगते हैं तो उन्हें रोजगार नहीं दिया जा रहा है। करोड लोग आज भी बेरोजगार हैं। अग्नि वीर योजना युवाओं के साथ सरकार छलावा कर रही है उन्होंने महिलाओं को प्रतिमाह 8333 रुपए देने की बात कही साल में एक लाख घर की प्रमुख महिला को दिया जाएगा जिसको लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया।

सूरजपुर पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स ने निकाला फ्लैग मार्च

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 मई 2024
(घटती-घटना)।

उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के निर्देशन में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जिला पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स के द्वारा गुरूवार, 02 मई 2024 को शहर में फ्लेग मार्च निकाला। फ्लेग मार्च संयुक्त जिला कार्यालय सूरजपुर से शुरू होकर बैकुंठपुर रोड, भैयाथान रोड, केतका रोड होते हुए वापस संयुक्त जिला कार्यालय पहुंचा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में सीएसपी एस.एस. पैंकरा के नेतृत्व में निकले फ्लैग मार्च में थाना सूरजपुर की पुलिस अधिकारी व सीआरपीएफ 230, 231 बटालियन के अधिकारी व जवानों ने भाग लिया। चुनाव में आचार संहिता लागू होते ही सुरक्षा प्रबंध कड़े कर दिए है और जनता में विश्वास कायम करने और चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से फ्लेग मार्च निकाला गया है। पुलिस के इस फ्लैग मार्च से असामाजिक तत्वों में भय का माहौल देखा गया। फ्लैग मार्च में एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, एढ़ाक कमान्डेंट सीआरपीएस 304 अश्वनी कुमार, सहायक कमाडेंट सीआरपीएफ 231 बटालियन ए.के.देशबंधु, सहायक कमाडेंट सीआरपीएफ 230 बटालियन प्रशांत कुमार बेहरा, सीआरपीएफ निरीक्षक प्रभाकर, संदीप दुबे, एसआई संदीप कौशिक, पियुश चन्द्राकर, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय सहित जिला पुलिस व सीआरपीएफ के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

क्यों रेहण्ड जंगल में अवैध रूप से हुए पेड़ों की कटाई व भष्टाचार के मामले पर जांच करने विभागीय अधिकारियों का छुट रहा पसीना?

आखिर रेंजर पर क्यों नहीं हो रही कार्रवाई?

लगातार जंगल कटवाने व पेड़ों को मशीन लगा कर नष्ट करने तथा जंगल का दोहन करते हुए गिट्टी तोड़वा कर निर्माण कार्य में धड़ल्ले से उपयोग कर भष्टाचार करने व आधे से ज्यादा जंगल की संपत्ति नष्ट होने लगातार आरोप लगने पुख्ता सबूत के साथ खबर प्रकाशित होने के बावजूद विभागीय अधिकारी कोई जांच व कार्यवाही नहीं कर रहे यह बड़ा सवाल है? आखिर रेंजर ललित साय पैकरा का इतना मजबूत पकड़ कहा से है और इनको किसका संरक्षण है यह सवाल जमकर लोगों के बीच उठ रहा है क्या इनपर विभागीय अधिकारी कार्यवाही न करके खुला सरंक्षण इस लिए तो नहीं दे रहे कि इनके द्वारा बकायदा पार्क परिक्षेत्र में हुए भष्टाचार में मिले हुए हैं यह भी बड़ा सवाल है। अगर ऐसा नहीं है तो महिनों पहले आया यह मामला लेकिन रेंजर पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। ऐसे में अगर अब विभाग कोई जांच करता है तो क्या व जांच प्रक्रिया निष्पक्ष होगी यह भी बड़ा सवाल है। बहरहाल देखने वाली बात होगी कि अब विभागीय अधिकारी व पार्क डीएफओ इस मामले में जांच व कार्यवाही रेंजर पर करते हैं या नहीं।

जंगल में मशीन व निर्माण कार्य में जंगली गिट्टी किसके आदेश पर?

गौरतलब हो कि पार्क परिक्षेत्र गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रेहण्ड (महूली) रेंज के जंगल में बकायदा जेसीबी मशीन लगाकर पेड़ों को उखड़वाया दिया गया है। इतना ही नहीं तालाब निर्माण में जेसीबी मशीन धड़ल्ले से उपयोग किया गया है तथा स्टांप डेम निर्माण कार्य में जंगली गिट्टी तोड़वा कर उपयोग किया गया है। अब ऐसे में सवाल है कि जंगलों में मशीन लगाने व निर्माण कार्य में जंगली गिट्टी उपयोग किसके आदेश से हुआ है?यह जांच का विषय है व जांच उपरांत बड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है।

क्या रेहण्ड (महूली) रेंजर साहब का विभागीय अधिकारियों से है अच्छी पकड़,इसलिए नहीं हो रहा पा रहा इनके कारनामों की जांच व कार्रवाई?

महिनों पहले नेशनल पार्क रेहण्ड जंगल में सैकड़ों इमारती पेड़ों को बकायदा जेसीबी मशीन लगाकर उखाड़ने का विडियो आया था सामने...लेकिन विभागीय अधिकारी जंगल की नहीं ले रहे सूध?

-रवि सिंह-
कोरिया/सुरजपुर,
02 मई 2024
(घटती-घटना)।

पार्क परिक्षेत्र चांदनी बीहारपुर के रेहण्ड जंगल महूली परिक्षेत्र में लगातार जंगलों की अवैध कटाई, व निर्माण कार्य में भष्टाचार करने की खबर सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां आदर्श आचार संहिता लागू है और चुनाव को लेकर माहौल गर्म है तो वहीं रेहण्ड जंगल में निर्माण कार्य में जमकर भष्टाचार करते हुए रेंजर द्वारा जमकर मनमानी किया जा रहा है। महिनों पहले इसी जंगल से एक विडियो वायरल हुआ था जिसमें जेसीबी मशीन लगा कर बकायदा इमारती पेड़ों को नष्ट किया जा रहा था व दुसरे विडियो में स्टांप डेम निर्माण कार्य में जंगली गिट्टी तोड़वा कर उपयोग किया जा रहा था जिसकी खबर लगातार मिडिया में प्रकाशित हुई है जिसपर पार्क

पहले जंगली गिट्टी से स्टाप डेम काम हुआ शुरू खबर लगने के बाद क्रेशर का गिट्टी दिखाकर लिपापोती करने का रेंजर साहब कर रहे

क्या हसदेव जंगल के तर्ज पर रेहण्ड जंगल में पेड़ों की दी गई बलि...रेंजर पर क्यों नहीं हो रही कार्रवाई?

डीएफओ कोरिया ने फोन पर बात करते हुए जांच करवाने की बात भी की थी लेकिन आज तक कोई खबर नहीं आई। इतना ही नहीं रेहण्ड जंगल में लगातार आग लगने व लकड़ी तस्करी का भी मामला सामने आया इस विषय को भी अधिकारियों के कानों तक पहुंचाया गया लेकिन फिर भी अधिकारियों ने इस जंगल में व रेंजर ललित साय व इनके कर्मचारी पर कोई जांच व कार्यवाही नहीं की आखिरकार इतने बड़े पैमाने पर जंगल में रेंजर द्वारा नष्ट करवाये गये पेड़ों व निर्माण कार्य में किये गये भष्टाचार पर विभागीय अधिकारी जांच क्यों नहीं कर रहे बड़ा सवाल है।

➡ कटे हुए पेड़ों को किया दफन

रेहण्ड जंगल में कुछ दिनों पूर्व तालाब निर्माण कराने के चक्कर में पार्क रेंज द्वारा अवैध तरीके से जेसीबी मशीन लगा कर धड़ल्ले से सैकड़ों इमारती पेड़ों को उखड़वाया गया था जिसकी खबर मिडिया में प्रकाशित हुआ था और अधिकारियों तक पेड़ों को उखाड़ते हुए जेसीबी मशीन का विडियो भेज दिया गया था लेकिन इस मामले में अधिकारियों ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की नहीं जांच करना जरूरी समझा। अब उसी जंगल से विडियो सामने आया है और विडियो में देखा जा रहा है कि नष्ट किए गए सैकड़ों इमारती पेड़ों को बकायदा तालाब के मेड़ व नालों तथा मिट्टी खोद कर दफन कर दिया गया है। ऐसे में इस मामले अब विभागीय अधिकारी क्या कदम उठाएगे देखने वाली बात होगी।

➡ स्टांप डेम में लिपापोती

रेहण्ड जंगल में लाखों की लागत से हो रहे स्टांप डेम निर्माण कार्य में जंगल से गिट्टी तोड़वाकर उपयोग किया जा रहा है। अब खबर लगने के बाद उक्त स्थल से बचें हुए जंगली गिट्टी को हटवा दिया गया है और दिखावे के लिए क्रेशर की गिट्टी रखवा दिया गया है तथा निर्माण कार्य में उपर से थोड़ी क्रेशर के गिट्टी को डाल कर कार्य में लिपापोती करने का प्रयास किया जा रहा है जबकि भारी मात्रा में इस निर्माण कार्य में जंगली गिट्टी का उपयोग किया गया है जांच टीम अगर निष्पक्ष जांच करती है तो दुध का दुध और पानी का पानी हो जाएगा।

➡ पार्क क्षेत्र जलकर हुआ खाक-

रेहण्ड जंगल में एक तरफ पेड़ों को नष्ट करने कटवाने तथा निर्माण कार्य में भष्टाचार चरम पर है तो दुसरी तरफ इस जंगल का आधे से ज्यादा हिस्सा आंग की चपेट में आकर जल चुका है। अब सवाल है कि जंगलों को आगजनी से बचाने के लिए सरकार द्वारा अलग से भारी भरकम राशि आवंटित किया जाता है बावजूद इसके आग से जंगल को क्यों नहीं बचाया गया क्या आग बुझाने के नाम पर विभाग ने लापरवाही दिखाई या इसमें भी रेंजर द्वारा कोई झोल किया गया है जांच का विषय है क्योंकि की जंगल की संपत्ति बड़े पैमाने पर नष्ट हुई है और राशि भी बहुत ज्यादा इसी समस्या से निपटने के लिए अलग से आता है।

संक्षिप्त खेल समाचार

पाकिस्तान क्रिकेट ने की 18 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

टी 2 20 डब्ल्यूसी से पहले तीन खिलाड़ी होंगे बाहर

करांची,02 मई 2024। इसी महीने पाकिस्तान आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। वहीं इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। पीसीबी ने ये भी बताया कि इसी स्क्वॉड में से 3 प्लेयर्स को बाहर कर वर्ल्ड कप स्क्वॉड जारी किया जाएगा, जो इंग्लैंड सिरीज के दौरान ही किया जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप से पहले 10 से 14 मई के बीच आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। इसके बाद 22 से 30 मई के बीच पाकिस्तान और इंग्लैंड टी20 सीरीज होगी। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए आखिरी स्क्वॉड देने के लिए 24 मई डेड लाइन रखी है।

मुंबई की कोलकाता से भिड़ंत आज

» **खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई की कोलकाता से भिड़ंत, प्लेऑफ की राह मुश्किल**

नई दिल्ली, 02 मई 2024। खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स अपनी कमजोरियों से पार पाने के इरादे से उतरेगी। नौ मैचों में छह जीत के बाद 12 अंक लेकर केकेआर तालिका में दूसरे स्थान पर है और प्लेआफ में उसकी जगह लगभग पक्की लग रही है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम को हालांकि हर विभाग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके किसी तरह की कोताही से बचना होगा। केकेआर ने पिछले छह में से तीन मैच गंवाये हैं और पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके उसे हराया लेकिन फिर केकेआर ने वापसी करके दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से मात दी। बल्लेबाजी में अति आक्रामक रवैये का केकेआर को फायदा मिला है लेकिन गेंदबाजी में सुधार की गुंजाइश है।

मिचेल स्टार्क प्रति ओवर 12 की दर से रन लुटा रहे हैं और उन्हें सात ही विकेट मिले हैं। बल्लेबाजों की मददगार पिचों पर आस्ट्रेलिया का यह तेज गेंदबाज कोई कमाल नहीं कर पा रहा। हर्षित राणा ने सर्वाधिक 11 विकेट लिये हैं लेकिन दिल्ली के अभिषेक पोरेल के विकेट पर अति आक्रामक जश्न मनाने के कारण उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। वैभव अरोड़ा ने पांच मैचों में नौ विकेट लिये हैं।

वानखेड़े स्टेडियम बल्लेबाजों की मददगार पिच के लिये मशहूर है और इस पर 200 से अधिक का स्कोर बनना तय है। ऐसे में नजरें रिंकू सिंह पर भी होंगी जिन्हें टी20 विश्व कप के लिये भारत की मुख्य टीम में जगह नहीं मिलने से काफी बहस हो रही है। उन्हें इस साल आईपीएल में खेलने का अधिक समय ही नहीं मिल सका। दूसरी ओर मुंबई प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर लग रही है हालांकि उसे पांच मैच और खेलने हैं।इनमें सभी जीतने पर भी उसके 16 ही अंक होंगे जो प्लेआफ में जगह बनाने के लिये शायद कम होंगे।

जसप्रीत बुमराह (14 विकेट) और गेराल्ड कोएत्जी (13 विकेट) मुंबई के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं लेकिन एक ईकाई के रूप में टीम गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। बल्लेबाजी में तिलक वर्मा ने तीन अर्धशतक समेत 343 रन बनाये हैं लेकिन बाकी बल्लेबाज नाकाम ही रहे हैं। ईशान किशन लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और पावरप्ले में विकेट गंवाना मुंबई की कमजोरी रही है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 158 . 29 की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं लेकिन लगातार बड़ी पारियां नहीं खेल सके हैं। टी20 विश्व कप से पहले उनके फॉर्म पर भी नजरें होंगी। वहीं सूर्यकुमार यादव ने दो अर्धशतक बनाये हैं लेकिन अपनी क्षमता के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सके हैं। कप्तान हार्दिक पंड्या बल्ले या गेंद किसी से भी कमाल नहीं कर सके हैं लेकिन टी20 विश्व कप टीम का उपकप्तान बनाये जाने से उनका मनोबल बढा होगा।

टीमें...

मुंबई इंडियंस:- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

कोलकाता नाइट राइडर्स:-श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान।

ओलंपिक क्वॉलीफायर में शानदार प्रदर्शन का श्रेय
अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को देती हैं फेंसर तनीक्षा खत्री

नई दिल्ली, 02 मई 2024। भारत की शीर्ष महिला एपी फेंसर तनीक्षा खत्री पिछले सप्ताहांत संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में एशिया-ओशिनिया जोनल ओलंपिक क्वालीफायर में ओलंपिक खेलों की प्रतियोगिता में पहली बार कोटा जीतने से एक कदम पीछे रह जाने के दुख से उबर नहीं पाई हैं। 20 वर्षीया फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं। सेमीफाइनल में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता दिलनाज़ मुर्ज़ातेवा को हराकर शानदार प्रदर्शन करने के बाद, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) समर्थित एथलीट ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी, लेकिन सिंगापुर की किरिया टी रहमान से 13-15 से हार गई। दिल टूटने की घटना को याद करते हुए तनिष्का ने भारतीय खेल प्राधिकरण को बताया कि क्वालीफायर एक शानदार अनुभव था और उन्होंने अच्छी तैयारी की थी। उन्होंने कहा, जब मैं वहां गई तो मेरे दिमाग में केवल ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना था। यह वास्तव में दुखद था जब मैं इतनी करीब थी लेकिन सीमा पार नहीं कर सकी। हालांकि वह ओलंपिक में जगह बनाने से चूक गई है, लेकिन उसने प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास और अनुभव प्राप्त किया है और अगले आयोजन पर ध्यान केंद्रित करके अपने ओलंपिक सपने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है, ÷मेरी योजना एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करना और वहां अच्छा प्रदर्शन करना है। मैं भी मैं ग्रां प्री और विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहूंगी लेकिन मेरा दीर्घकालिक लक्ष्य ओलंपिक खेल ही है। क्वालीफाई करने के बाद आत्मविश्वास बड़ा बदलाव है।

चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका

आईपीएल के बीच ये तीन खिलाड़ी लौटे अपने देश

नई दिल्ली, 02 मई 2024। चेन्नई सुपर किंग्स पंजाब किंग्स के हाथों हार के बाद मुश्किल में है। हालांकि, वह अभी भी टॉप 4 में है लेकिन उसे दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद कड़ी टक्कर दे सकती हैं। अब आईपीएल प्लेऑफ के लिहाज से सीएसके के लिए हर मैच अहम है और अन्य टीमों का प्रदर्शन भी उसकी स्थिति पर असर डालेगा। वहीं सीएसके अपने स्टार गेंदबाज दीपक चाहर की चोट के कारण चितिंत है, इसी बीच उसके 3 विदेशी गेंदबाज भारत छोड़ अपने वतन लौट गए हैं। इनमें श्रीलंका के महेश तीक्षणा, मुस्तफिजुर रहमान और मथीशा पथीराना है। बता दें कि चेन्नई अपने विदेशी गेंदबाजों पर निर्भर है, जिस कारण इन तीनों ही स्टार गेंदबाजों का टीम में ना होना वाकई चिंता का विषय है।

रुतुराज गायकवाड़ ने विराट कोहली से छीनी ऑरेंज कैप

» **जसप्रीत बुमराह के सिर सजी पर्पल कैप**

नई दिल्ली, 02 मई 2024। आईपीएल के सीजन 17 में ऑरेंज कैप अभी तक विराट कोहली के नाम थी लेकिन अब ये कैप चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सिर पर सज गई है। फिलहाल अभी तक ये है कि ये ऑरेंज कैप किसी भारतीय के सिर पर ही सजी है ना कि किसी विदेशी खिलाड़ी। वहीं पर्पल कैप अभी भी जसप्रीत बुमराह के पास है। उसे उनसे छीनने में हर कोई पीछे है। आईपीएल 2024 ऑरेंज कैप अब रुतुराज गायकवाड़ के सिर पर है। विराट कोहली लंबे समय से इस कैप को अपने सिर पर सजाए हुए थे, लेकिन रुतुराज गायकवाड़ ने बुधवार को एक और अर्धशतकी जड़ा और वे इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली से आगे निकल गए हैं। विराट ने 500 रन

बनाए हैं, जबकि रुतुराज ने 509 रन बना दिए हैं। ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर साई सुदर्शन हैं, जो गुजरात टाइटंस के लिए 10 मैचों में 418 रन बना चुके हैं। केएल राहुल 406 रनों के साथ चौथे पायदान पर हैं। वहीं, ऋषभ पंत ने अब तक दिल्ली कैपिटल्स के लिए 398 रन बनाए हैं। आईपीएल 2024 की पर्पल कैप अभी भी जसप्रीत बुमराह के सिर पर सजी हुई है। उम्मीद की जा रही थी कि हर्षल पटेल या मुस्तफिजुर रहमान एक विकेट लेकर उनसे आगे निकल सकते हैं। लेकिन सीएसके वर्सेस पीबीकेएस मैच में ये खिलाड़ी खाली हाथ लौटे। ऐसे में बुमराह अभी भी नंबर वन गेंदबाज इस सीजन के हैं। बुमराह के बाद चेन्नई के मुस्तफिजुर रहमान और पंजाब किंग्स के पेसर हर्षल पटेल हैं, जो 14-14 विकेट ले चुके हैं। चौथे नंबर पर मथीशा पथिराना हैं, जो पंजाब के खिलाफ नहीं खेले। वे 13 विकेट 6 मैचों में झटक चुके हैं। इतने ही विकेट एसआरएच के पेसर टी नटराजन ने चटकाए हैं।

ईशा देओल ने 44 वीं शादी की सालगिरह पर हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की अनदेखी तस्वीर साझा की

दिग्गज बॉलीवुड सितारे हेमा मालिनी और धर्मेंद्र ,2 मई, 2024 को अपनी 44वीं शादी की सालगिरह मनाएं। इस विशेष अवसर पर अपने माता-पिता को शुभकामनाएं देते हुए, ईशा देओल ने अपने माता-पिता की एक मनमोहक और अनदेखी तस्वीर साझा की। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, मेरे पापा और माँ को सालगिरह की शुभकामनाएँ। मैं आपकी पूजा करती हूं, मैं आपसे प्यार करती हूं और मैं बस आपको गले लगाना चाहती हूं। तस्वीर में हेमा मालिनी को धर्मेंद्र के कंधे पर सिर झुकाए देखा जा सकता है। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल फ्लोरल प्रिंट में खूबसूरत लग रही हैं। दूसरी ओर, धर्मेंद्र हरे रंग की शर्ट में डैपर लग रहे हैं।

हेमा मालिनी,धर्मेंद्र की प्रेम कहानी

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की शादी 1980 में हुई और उनकी दो बेटियाँ हैं, ईशा देओल और अहाना देओल। हेमा दिग्गज अभिनेता की दूसरी पत्नी हैं। धर्मेंद्र के पहली पत्नी प्रकाश कौर से दो बेटे सनी देओल और बॉबी देओल और दो बेटियां हैं। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की पहली मुलाकात 1970 में फिल्म तुम हसीं मैं जवान की शूटिंग के दौरान हुई थी। फिल्म में दोनों ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इन वर्षों में, दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया, भले ही धर्मेंद्र एक विवाहित व्यक्ति थे और उनके चार बच्चे थे। हालाँकि, आखिरकार दोनों 1980 में शादी के बंधन में बंध गए।

इस बीच, काम के मोर्चे पर, धर्मेंद्र को आखिरी बार शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में देखा गया था। वह अगली बार श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस में नजर आएंगे।

फैन ने माधुरी दीक्षित को कहा आंटी,देखें ऐक्ट्रेस की प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने को उनके डांस रियलिटी शो डांस दीवाने 3 के सेट पर देखा गया। अभिनेत्री अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ जजों में से एक हैं। गुरुवार को जब माधुरी सेट के बाहर अपनी वैनिटी वैन की ओर जा रही थीं तो उन्हें बहुत खुशी हुई।अब वायरल हो रहे एक वीडियो में अभिनेत्री प्रशंसकों के साथ बातचीत करती नजर आ रही हैं। उन्होंने बेहद खूबसूरत गुलाबी और काले रंग का लहंगा पहना था। हालाँकि,जैसे ही कुछ प्रशंसक अभिनेत्री के करीब आए, उनके अंगरक्षकों ने उन्हें पीछे हटने के लिए कहा।उसी समय, एक युवा लड़के के साथ एक महिला प्रशंसक माधुरी के पास पहुंची और कहा कि वे उनसे मिलना चाहती हैं।वीडियो में महिला को यह कहते हुए सुना जा सकता है, बच्चा आपसे मिलना चाहता है। माधुरी ने लड़के की ओर देखा, मुस्कुराई और उसे हैलो कहा। महिला ने फिर कहा, बेटा हैलो करो आंटी से।

इससे माधुरी थोड़ा चौंक गईं, हालांकि, वह जोर से हंसीं और बोलीं,

उसे पता भी नहीं है कौन है (बच्चा यह भी नहीं जानता कि मैं कौन हूं)।इंस्टाग्राम पर एक सेलिब्रिटी फोटोग्राफर द्वारा वीडियो पोस्ट किए जाने के तुरंत बाद, एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, लोल.. आप किसी बॉलीवुड अभिनेत्री को आंटी नहीं कह सकते। चाहे वह कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो। उनमें अहंकार बहुत ज्यादा रहता है। इस बीच, काम के मोर्चे पर, माधुरी ने हाल ही में मराठी फिल्म पंचक का निर्माण किया, जिसमें अद्दीनाथ कोठारे, दिलीप प्रभावलकर, भारती आचरेकर और अन्य कलाकार हैं। वह माजा मा में भी नजर आई थीं. आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और सुमित बठेजा द्वारा लिखित, यह फिल्म एक पारिवारिक मनोरंजन फिल्म थी, जो एक पारंपरिक त्योहार और एक सर्वोत्कृष्ट, रंगीन भारतीय शादी की जश्न की पृष्ठभूमि पर आधारित थी।अभिनेत्री फिलहाल डांस दीवाने 3 की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने अभी तक अपने आगामी प्रोजेक्ट्स की घोषणा नहीं की है।

शाहरुख खान होते मुन्ना भाई तो सर्किट होता ये एक्टर,21 साल बाद बताया क्यों छोड़ी थी किंग खान और उन्होंने राजकुमार हिरानी की फिल्म

साल 2003 में आई राजकुमार हिरानी की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस आइकॉनिक मूवीज में से एक है, जिसमें संजय दत्त और अरशद वारसी का किरदार काफी फेमस है। लेकिन जैसा कि आप जानते हैं मुन्ना भाई के रोल के लिए शाहरुख खान पहली पसंद थे। वहीं एक्टर मकरंद देशपांडे सर्किट के रोल के लिए चुने गए थे। हालांकि अब 21 साल बाद एक्टर ने सिद्धार्थ कनन के साथ किए हाल ही में इंटरव्यू मे बताया कि किस वजह से शाहरुख खान और वह फिल्म का हिस्सा नहीं बन पाए।

एक्टर मकरंद देशपांडे, जिन्हें लगान और मुन्ना भाई एमबीबीएस जैसी फिल्में ऑफर की गई थीं। लेकिन लॉन्ग टाइम कमिटमेंट के चलते वह इन फिल्मों का हिस्सा नहीं बन पाए। एक्टर ने बताया कि मुन्ना भाई के रोल के लिए शाहरुख खान पहली पसंद थे। वहीं सर्किट के रोल के लिए उन्हें अप्रोच किया गया था. लेकिन उनके मना करने के बाद यह रोल अरशद वारसी को मिल गया.

एक्टर ने कहा, राजू (निर्देशक राजकुमार हिरानी) ने मुझे फोन किया। मुझे कुछ सीन पर काम करना याद है. हो सकता है कि मैंने कुछ सुधार भी किया हो। एक गाना भी रिकॉर्ड हुआ, जिसमें मेरी आवाज़ थी. पहले मुन्ना भाई में शाहरुख खान अभिनय करने वाले थे, लेकिन कंधे की चोट के कारण वह यह फिल्म नहीं कर सके. तभी संजय दत्त आये। आगे उन्होंने फिल्म ना करने का कारण बताते हुए कहा, जब फिल्म की तारीखें आईं। देखिए मैं हमेशा डरता था कि निर्माता मुझे कब तारीखें देंगे, यहां राजू ने मुझसे 56 दिन मांगे.। यह सचमुच मेरी ओर से ग़लत था। मैं उस वक्त एक फिल्म बनाने के बारे में सोच रहा था। मेरी लाइफ में मैं हमेशा से जानता हूं कि मेरा समय जरुरी है, न कि कौन मुझे कौन सी भूमिका दे रहा है और वह भूमिका मेरे लिए क्या करेगी क्योंकि लोकप्रियता, प्रसिद्धि, पैसा मेरे लिए कभी सवाल नहीं रहा।.

गोविंदा ने बेटे संग हुस्न है सुहाना गाने पर किया ऐसा झकास डांस

लेजेंड्री एक्टर धर्मेंद्र भी उठ कर लगे नाचने

डांस के मामले में कोई गोविंदा का हाथ नहीं पकड़ सकता है। हिंदी सिनेमा के इस हीरो नंबर वन के लिए ये कहना कुछ भी ज्यादा नहीं है।. उन्होंने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक गाने दिए और ऐसी डांस परफॉर्मेंस दी है जिसका कोई तोड़ नहीं। आज भी जब कोई डांसर उनका गाना परफॉर्म करता है तो एक घबराहट महसूस करता है क्योंकि गोविंदा अपने नैचुरल टैलेंट से किसी भी गाने का लेवल इतना हाई कर देते हैं कि उसे दोबारा दोहराना आसान नहीं लगता। हालांकि ये हिम्मत उनके बेटे यश ने दिखाई और अकेले नहीं बल्कि पापा गोविंदा के साथ स्टेज पर परफॉर्म किया। ये स्टेज इंडियन आइडल का था और यहां गोविंदा अपनी पत्नी सुनीता और बेटे यश के साथ आए थे।डांस शुरू हुआ तो सब कुछ भूल गए जजेस यूं तो गोविंदा फैमिली सिंगिंग शो में बतौर मेहमान पहुंचे थे लेकिन जहां चीची हों वहां डांस ना हो ऐसा कैसे हो सकता है। फिर क्या था एक रिक्वेस्ट हुई तो गोविंदा और उनके बेटे यश ने मिलकर स्टेज पर रंग जमा दिया. दोनों ने गोरिया चुरा ना मेरा जिया पर परफॉर्म किया। शुरू से लेकर आखिर तक गोविंदा और यश ने ऐसी ताबड़ तोड़ परफॉर्मेंस दी कि देखने वाले देखते रह गए। गोविंदा की पत्नी सुनीता भी बेटे और पति को चीयर करती दिखीं। इस एपिसोड में धर्मेंद्र भी थे. वो भी गोविंदा और यश की परफॉर्मेंस इंजॉय करते दिखे। इसके अलावा इंडियन आइडल जज विशाल डडलानी और नेहा कक्कड़ भी इस परफॉर्मेंस में डूबे दिखे। . वीडियो को सोशल मीडिया पर भी लोग खूब पसंद कर रहे हैं लेकिन ज्यादातर लोग गोविंदा के डांसिंग करंट की तारीफ करते दिखे।

चंकी पांडे ने शूटिंग के बीच लिया हिना खान का ब्रेन टेस्ट

शेयर किया वीडियो तो हंस हंसकर लोटपोट हुए फैंस बोले...लड़की हमारी

सोशल मीडिया के जमाने में रील्स का खुमार लोगों के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। जिसे देखो, रील्स बनाकर लाइक्स बटोर रहा है। इस दौड़ में आम आदमी के साथ साथ अब सेलेब्स भी कूद पड़े हैं। हाल ही में बॉलीवुड एक्टर चंकी पांडे ने एक्ट्रेस हिना खान संग एक मजेदार रील बनाकर शेयर की है जिसमें चंकी पांडे हिना खान के साथ एक प्यारा सा मजाक करते दिख रहे हैं। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर जमकर पसंद किया जा रहा है क्योंकि इस वीडियो में दोनों ही स्टार्स की जबरदस्त एक्टिंग ने सबका ध्यान खींच लिया है। आपको बता दें कि चंकी पांडे और हिना खान आजकल किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। शूटिंग के बीच में वक्त निकालकर ये बीटीएस वीडियो रील बनाकर लोगों को जमकर एंटरटेन कर रहे हैं। इस वीडियो में चंकी पांडे हिना खान से कहते हैं-तुझे पता है,मैं इतना बड़ा बेवकूफ हूं कि फोन की फ्लैश लाइट ऑन कर के अपना ही फोन ढूंढ रहा था। इसके बाद हिना खान उतनी ही मासूमियत से पूछती हैं-फिर फोन मिला? फिर चंकी पूछते हैं क्या। हिना खान कहती हैं-फोन मिला क्या फिर। इसके बाद चंकी का जबरदस्त मजेदार रिएक्शन देखने को मिलता है। दोनो ही एक्टर वाकई लाजवाब तरीके से इस जोक पर एक्ट कर रहे हैं।वीडियो में चंकी की एक्टिंग देखकर लोगों को उनकी सुपरहिट फिल्म आंखें याद आ रही है। आंखें में भी चंकी ने गोविंदा के साथ जमकर कॉमेडी की थी। चंकी की ये एक्टिंग दिखाती है कि वो वाकई एक शानदार कलाकार हैं। वहीं टीवी की दुनिया से आई हिना खान ने भी अपनी एक्टिंग के जरिए सराही जा रही है। ये रिश्ता क्या कहलाता है से घर घर में अक्षरा के रूप में जानी जाने वाली हिना खान टीवी की दुनिया में काफी पॉपुलर हो चुकी हैं। कहा जा रहा है कि चंकी और हिना किसी बड़े फिल्मी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं और जल्द ही इसका रैपअप होने वाला है।

सलमान खान की ऑनस्क्रीन भाभी बनने से पहले दूरदर्शन के इस शो के लिए फेमस थीं रेणुका शहाणे

90 के दशक में कई ऐसे शो आते थे जो लोगों के फेवरेट थे। आज भी उस दशक के लोगों को जब भी इनकी याद आती है तो उनके चेहरे पर एक अलग चमक देखने को मिलती है। कई एक्ट्रेसेस ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और उसके बाद फिल्मों में अपनी धाक जमा ली थी। ऐसी ही एक एक्ट्रेस हैं उन्होंने अपने शो से लोगों को खूब इंप्रेस कर लिया था और उसके बाद जब वो फिल्मों में आईं तो सबकी फेवरेट भाभी बन गईं। जी हां ये एक्ट्रेस आज भी एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव हैं और फैंस का दिल जीत रही हैं। हम 90 के दशक में आए शो सुरभि की बात कर रहे हैं। सुरभि को रेणुका शहाणे और सिद्धार्थ काक होस्ट करते थे। इस शो को इतना पसंद किया गया था कि रेणुका इससे रातोंरात स्टार बन गई थीं. रेणुका को अब और पहले में पहचान पाना बहुत मुश्किल है। उनकी सुरभि के टाइम की वीडियो वायरल हो रही है। वायरल वीडियो सुरभि शो का एक क्लिप है। जिसमें रेणुका सिद्धार्थ से बात करती नजर आ रही हैं।

ईओडब्ल्यू ने शुरू की अनुकंपा नियुक्ति घोटाले की जांच

कोरोना काल के समय शिक्षा विभाग के कई कर्मियों ने अपनी जान गंवाई थी...जिसके बाद शिक्षा विभाग ने मृत कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति दी थी...इसमें भारी धांधली का आरोप लगा था...शिकायत में कहा गया था कि शिक्षा विभाग ने बिना शपथ-पत्र की जांच के ही अनुकंपा नियुक्ति दे दी....

» डीईओ से मांगे गए नियुक्ति संबंधित सभी दस्तावेज...

» हो सकती है बड़ी कार्रवाई...

रायपुर,02 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में कोविड़ काल में हुए अनुकंपा नियुक्ति घोटाले की जांच अब ईओडब्ल्यू ने शुरू कर दी है। ईओडब्ल्यू ने जिन कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी, इससे संबंधित सभी दस्तावेजों को जिला के शिक्षा अधिकारियों को देने को कहा है। दस्तावेजों की जांच के बाद राज्य सरकार की आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो के द्वारा घोटाले में शामिल अधिकारियों/कर्मचारियों पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

मालूम हो कि कोरोना काल के समय शिक्षा विभाग के कई कर्मियों ने अपनी जान गंवाई थी। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने मृत कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति दी थी। इसमें भारी धांधली का आरोप लगा था। शिकायत में कहा गया था कि शिक्षा विभाग ने बिना शपथ पत्र की जांच के ही अनुकंपा नियुक्ति दे दी। इस मामले को लेकर बीजेपी ने जमकर हंगामा किया था। विधानसभा में भी ये मामला उठा था। मामले में विवाद बढ़ता देख गलत शपथ पत्र देने वाले 10 कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। साथ ही प्रभारी डीईओ दासरथी को निलंबित भी किया गया था।

अनुकंपा नियुक्ति आदेश में स्पष्ट उल्लेखित है कि यदि आप का दस्तावेज फर्जी या गलत पाया जाता है तो अनुकंपा नियुक्ति आदेश बिना पूर्व सूचना के स्वमेव निरस्त माना जाएगा। अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में है कि दिवंगत विवाहित शासकीय सेवक के परिवार में यदि पूर्व से ही परिवार के कोई अन्य सदस्य शासकीय सेवा में हैं तो परिवार के अन्य किसी भी सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता नहीं होगी।

दरअसल, शिक्षा विभाग में बैजनाथ राम सहायक ग्रेड-2 के पद पर शासकीय हाई स्कूल सिटोंगा विकासखंड जशपुर जिला जशपुर में पदस्थ थे। जिनकी कोविड के दौरान 6 अप्रैल 2020 को आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। उनके मृत्यु के पश्चात 8 जून 2020 को मृतक बैजनाथ राम के पुत्र प्रेम कुमार राम को अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का आवेदन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा हुआ था। अनुकंपा नियुक्ति समिति की अनुशंसा के आधार पर प्रेम कुमार राम पिता स्वर्गीय बैजनाथ राम को 4 फरवरी 2022 को सहायक ग्रेड 3 के पद पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुड़केला विकासखंड जशपुर जिला जशपुर छत्तीसगढ़ में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई।

प्रेम कुमार राम ने अपने पिता स्वर्गीय बैजनाथ राम की जगह अनुकंपा नियुक्ति हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं शपथ पत्र में इस बात की जानकारी छिपाई कि मृतक का एक और पुत्र व प्रेम कुमार राम का एक भाई मन कुमार राम शासकीय सेवा में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय तालसिली विकासखंड मनोरा जिला जशपुर में भृत्य के पद पर कार्यरत है।प्रेम कुमार राम के खिलाफ ये शिकायत आने के बाद शिक्षा विभाग ने प्रेम कुमार राम को बर्खास्त कर दिया और उनको वेतन के रूप में प्रदान की गई राशि की वसूली प्रेम कुमार राम की माता अर्थात स्वर्गीय बैजनाथ राम की पत्नी अंगनी बाई के पेंशन से करने का निर्देश दिया था।

ऐसा ही मामला बिलासपुर, मुंगेली सहित कई जिलों से आया था। अब इस मामले की जाँच श्वह्ङ्ग द्वारा की जा रही है। कहा जा रहा है कि जाँच के बाद ईओडब्ल्यू के द्वारा बड़ी कार्रवाई कर सकती है।

संक्षिप्त खबर

अनवर ढेबर की न्यायिक रिमांड 14 दिन तक बढ़ी

रायपुर,02 मई 2024(ए)। आबकारी घोटाले मामले में ईओडब्ल्यू द्वारा जेल में बंद आरोपी अनवर ढेबर, अरविंद सिंह और अरुण पति त्रिपाठी विशेष कोर्ट में पेश हुए।14 दिन तक न्यायिक रिमांड खत्म होने पर पेश किया गया था। कोर्ट ने न्यायिक रिमांड बढ़ाते हुए दुबारा 14 दिन के लिए जेल भेजा दिया है । ईओडब्ल्यू ने आबकारी घोटाले मामले में तीनों को गिरफ्तार कर भेजा जेल था वहीं अनवर ढेबर की लगाई जमानत याचिका पर कोर्ट ने 4 मई को सुनवाई की तारीख की तय की है। बता दें कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में ईड भी नए सिरे से जांच कर रही है। रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा 4 मई तक ईडी की रिमांड पर है। ईडी ने लोगों को समन भेजना भी शुरू कर दिया है। ईओडब्ल्यू की ओर से की गई एफआईआर में 70 लोगों के नाम है। बताया जा रहा है कि,प्रवर्तन निदेशालय की ईसीआईआर में भी यही नाम शामिल हैं। ईडी ने सभी को पूछताछ करने के लिए समन भेजा है।

आईपीएस जीपी सिंह को अब हाईकोर्ट से भी मिली बड़ी राहत

रायपुर,02 मई 2024(ए)। आईपीएस जीपी सिंह को कैट के बाद अब हाईकोर्ट से भी बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उनके खिलाफ सुपेला थाने में दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी है। बता दें कि जीपी सिंह ने इस एफआईआर को समाप्त करने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

चुनाव के बाद सबका लग जाएगा काम

» प्रभारी पायलट ने बंद कमरे में गुटबाजी को हवा देने वालों को दिए के संकेत,बोले...ये करो

बिलासपुर,02 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से बिलासपुर कांग्रेस में जो परंपरा चली आ रही है, उसी के मुताबिक अब भी यहां के कांग्रेसी अपनी गोटी बिठाने में लगे हुए हैं। गुटबाजी में बंधे कांग्रेसियों का साफ मकसद है कि मैं नहीं, तो मेरे आका या फिर समर्थक। इसके अलावा कोई और नहीं। चाहे वो पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता ही क्यों न हो।

यही वजह है कि पिछले विधानसभा की तरह लोकसभा चुनाव में भी कुछ नामी कांग्रेसी घर बैठ गए थे। हालांकि बड़े नेता या प्रत्याशी के पहुंचने पर मन मसोसकर ये कांग्रेसी नजर आ जाते हैं। इसकी जानकारी आला कमान से लेकर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट को भी है। दरअसल, बीते दिनों बिलासपुर दौरे पर आए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पायलट को इसकी भनक लग गई। उन्होंने कांगेस में एक बनाने की गरज से बंद कमरे में बैठक ली। सभी से चुनाव की तैयारी को लेकर फीडबैक लिया। चुनाव जीतने के टिप्स भी दिए। गुटबाजी को लेकर भी चर्चा हुई।

चूंकि बंद कमरे में कांग्रेसी ही मौजूद थे, इसलिए प्रदेश प्रभारी पायलट ने क्या कहा, यह तो सार्वजनिक नहीं हुआ है, लेकिन बैठक के बाद कांग्रेसियों के बीच कानाफुसी शुरू हो गई है। एक कान से दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवेंज तक बात फैलती जा रही है। कानोंकान जो जानकारी मिली है, उसे सही मानें तो प्रदेश प्रभारी पायलट ने कुछ नामी कांग्रेसियों को आड़े हाथों लिया। कहा- आप क्यों घर में बैठ गए हैं। दिक्कत क्या है। जब आप चुनाव लड़ते हैं तो आपके समर्थक दिन-रात मेहनत करते दिखाई देते हैं। लोकसभा चुनाव में ऐसा क्या हो गया कि आपके साथ समर्थक भी गायब हैं। आप लोगों की यही हरकत कांग्रेस की नैया डूबा रही है। उन्होंने इशारों ही इशारों में संकेत दिया कि इस चुनाव में जो कांग्रेसी काम नहीं करेंगे, उनका काम लगा दिया जाएगा। गुटबाजी में बंधे कांग्रेसियों के लिए उनका यह इशारा ही काफी था।

ऐसे कांग्रेसियों ने अपनी सफाई में मख्खन लगाने की कोशिश भी की, लेकिन प्रदेश प्रभारी पर इसका कोई असर नहीं हुआ। बैठक समाप्त करने से पहले उन्होंने यह भी इशारा किया कि यहां कोई चेहरा नहीं, कोई जाति, कोई धर्म नहीं, बल्कि कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। हम सभी का अस्तित्व कांग्रेस से ही है। गुटबाजी और भितरघात की पुष्टि हुई तो यह तय है कि चुनाव के बाद संगठन से उन्हें आउट कर दिया जाएगा। कानोंकान पहुंची इस खबर से कांग्रेसियों में खलबली मची हुई है।

राजनीतिक पंडितों तक भी यह बात पहुंच गई। जाहिर है, मतदान से पहले कांग्रेस-भाजपा की राजनीति में क्या उथल-पुथल मची हुई है, इसका वे पता लगाकर आंकलन कर रहे हैं। राजनीतिक पंडितों की मानें तो प्रदेश प्रभारी की दो टूक से वो कांग्रेसी डरे और सहमे नजर आ रहे हैं, जिन पर पहले भी फूलछाप कांग्रेसी होने का धब्बा लग चुका है। अब ये न चाहते हुए भी फील्ड में नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के लिए वोट मांग रहे हैं। समर्थकों को सक्रिय कर रहे हैं। यही नहीं, खुद के द्वारा किए जा रहे कार्यों से प्रत्याशी से लेकर प्रदेश प्रभारी तक संदेश भिजवाया जा रहा है, ताकि चुनाव के बाद भी पार्टी में उनकी साख कम न हो।

पीठ पीछे 'काम' लगाने वाले कांग्रेसियों की बन रही लिस्ट

कानोंकान पहुंची खबर पर भरोसा करें तो प्रदेश प्रभारी पायलट ने उन कांग्रेसियों की अलग से लिस्ट बनाने के लिए कहा है, जो पीठ पीछे 'काम' लगाने (भितरघात) में माहिर हैं। ऐसे कांग्रेसियों की हर एक गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। मसलन, सुबह से लेकर रात तक वे क्या कर रहे हैं। कहां जा रहे हैं। किससे मिल रहे हैं। मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं तो उनके कानों में क्या मंत्र फूंक रहे हैं। इसके लिए एक इंवेस्टिगेशन टीम तक लगाने की सूचना है, जो ऐसे कांग्रेसियों की एक माह की कुंडली तैयार कर रही है।

राधिका खेड़ा विवाद में अब भूपेश बघेल भी पिसे

» भाजपा ने दिया राधिका का साथ

रायपुर,02 मई 2024(ए)। राधिका खेड़ा विवाद फिलहाल खत्म होता नजर नहीं आ रहा। राधिका खेड़ा इस मामले में लगातार पोस्ट कर रही हैं। जहां कांग्रेस के अंदर खेमे में हड़कंप मचा हुआ वहीं भारतीय जनता पार्टी भी इस मामले में राधिका खेड़ा के समर्थन में बयान दे रही है। राधिका खेड़ा ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए भूपेश बघेल पर अब निशाना साधा है। राधिका ने लिखा कि, दुशील' को लेकर 'कका' का मोह एक लड़की की इज्जत से बढ़कर है लेकिन, लड़की हूं, 'लड़ रही हूं' 'मर्यादा पुरुषोत्तम' प्रभु श्री राम जी के ननिहाल में दीदी का स्वागत है। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन के संचार विभाग में मंगलवार शाम को राधिका खेड़ा ने मीडियकर्मियों

को बाइट के लिए आमंत्रित किया था। बाइट देने के कुछ देर में संचार अध्यक्ष प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के कमरे के बाहर बहस होने की आवाजें आने लगी।

बढ़ते विवाद के बीच राधिका खेड़ा कांग्रेस भवन से रोते हुए बाहर निकली और अपने होटल के लिए रवाना हो गई। जिसके बाद उन्होंने राधिका ने एक पोस्ट लिखा था, मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। मेरी इतनी बेइज्जती कभी नहीं हुई। मैं जब उससे बात करती हूं, वो मुझ पर चिल्लाता है।'

इसके बाद उन्होंने बुधवार शाम को भी उन्होंने एक और पोस्ट किया जिसमें लिखा- क्या पुरुषत्व-विहीन हुई ये धरा..। वहीं इस मामले में भाजपा लगातार राधिका खेड़ा के पक्ष में बयान दे रही है।

महिला अस्मिता के नाम पर भाजपा कांग्रेस पर लगातार वार कर रही है। खुद मुख्यमंत्री ने भी कल कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि कांग्रेस आपस में ही लड़ रही है और अब मामला पुलिस तक पहुंचने वाला है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक राजेश मूणत ने भी राधिका खेड़ा के पक्ष में बयान दिया है।

उपसरपंच और पंच को धमकाया

» फर्जी अफसर को हुई डेढ़ साल की सजा

नारायणपुर,02 मई 2024(ए)। जिला अभियोजन अधिकारी से प्राप्त जानकारी आनुसार 29 अप्रेल 2024 को जिला नारायणपुर मे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरेन्द्र सिंह नाग ने धोखाधड़ी करने के प्रयास के मामले में आरोपी श्रवण कुमार अग्रवाल को धारा 419/511 भा.द.स. में 01 वर्ष 06 माह का कठोर कारावास तथा 1000 रूपये की जुर्माना एवं धारा 420/511 भा.द. स. के अपराध में 03 वर्ष का कठोर कारावास तथा 1000 रूपये की अर्थदण्ड की सजा सुनायी है। घटना थाना फरसगांव के अन्तर्गत राजीव गांधी सेवा केन्द्र ग्राम पंचायत कार्यालय फरसगाव में 03 जनवरी 2018 को दोपहर करीब 01 बजे की है। उप संरपंच सोनारू राम पोटाई एवं पंच लुदु प्रताप पुजारी दोपहर को ग्राम पंचायत कार्यालय में अपना कार्य कर रहे थे उसी समय आरोपी अपने आप को एस.बी.एम. शाखा जिला नारायणपुर का अधिकारी बताकर एस.बी.एम. में गड़बड़िया की। शिकायत मिलने पर जांच करने आना बताया तथा उक्त गड़बडियो के कारण तुम्हारी नौकरी खतरे में पड़ जायेगी कहकर डराने धमकाने लगा

तथा 10 हजार रूपये नगद मांग करने लगा, तभी वहां उपस्थित पंचायत सचिव जिला पंचायत नारायणपुर में कार्यरत अपने परिचित से फोन करके आरोपी का फोटो खीचकर भेजा गया और उक्त अधिकारी की पहचान किया गया, जिससे पता चला कि आरोपी कोई अधिकारी नही है। सचिव के द्वारा आरोपी का फोटो खीचने पर ही आरोपी वहां से भाग गया। उक्त मामला थाना फरसगांव के क्षेत्र के होने से फरसगावं थाने पर एफआईआर दर्ज कराई गई। जिसके पश्चात थाना फरसगांव के पुलिस वालो ने विवेचना कर चालान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नारायणपुर हरेन्द्र सिह नाग के न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 384, 419, 420 का अपराध करने के संबंध में न्यायायल में विचारण किया गया। विचारण पश्चात न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाते हुये धारा 419/511 भा.द.स. में 01 वर्ष 06 माह का कठोर कारावास तथा 1000 रूपये की जुर्माना एवं धारा 420/511 भा.द.स. के अपराध में 03 वर्ष का कठोर कारावास तथा 1000 रूपये की अर्थदण्ड की सजा सुनाया गया है। मामले में सरकार की ओर से पैरवी जिला अभियोजन अधिकारी श्री पी सी शुक्ल के द्वारा की गई है।

छत्तीसगढ़ के मीसा बंदियों को मिलेगा पेंशन जल्द

» कांग्रेस के शासनकाल में बंद 5 साल का पेंशन भी मिलेगा एकमुश्त

रायपुर,02 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के आने के बाद मीसा बंदियों का पेंशन फिर से शुरू करने की घोषणा सीएम विष्णुदेव से ने की थी। इसी कड़ी में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान मीसा बंदियों की बंद की गई पेंशन फिर से शुरू की जा रही है। प्रदेश सरकार ने बीते 5 साल से बंद पेंशन को एकमुश्त देने का निर्णय भी लिया है। इसीके तहत लगभग 35 करोड़ रुपये संबंधित जिलों को जारी कर दिए गए हैं।

रमन की सरकार ने शुरू किया था पेंशन

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह की सरकार में मीसा बंदियों को पेंशन की शुरुआत की गई थी। मगर 2018 में जैसे ही कांग्रेस सत्ता में आई मीसा बंदियों का पेंशन बंद कर दिया गया। प्रदेश में बीजेपी की सरकार के पुनः पदस्थ होने के बाद इस योजना को निरस्त करने वाली कांग्रेस सरकार की दोनों अधिसूचनाओं को निरस्त कर दिया है।बता दें कि मीसा बंदियों को लोकतंत्र सेनानी कहा जाता है और छत्तीसगढ़ में 2018 की स्थिति में 430 लोकतंत्र सेनानियों/आश्रितों को प्रतिवर्ष करीब 9 करोड़ रूपए की सम्मान राशि प्रदान की जाती थी। नियम के तहत एक माह से कम अवधि के लिए जेल में निरूद्ध रहे व्यक्तियों को 8 हजार रूपए प्रतिमाह, एक से 5 माह तक के निरूद्ध व्यक्तियों को 15 हजार रूपए प्रतिमाह तथा पांच माह और इससे अधिक निरूद्ध व्यक्तियों को 25 हजार रूपए प्रतिमाह दिया जा रहा था।

नक्सलियों ने दो सगे भाईयों की हत्या की

» मुखबिरी का लगाया आरोप

बीजापुर,02 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने दो भाइयों की हत्या करने का मामला सामने आया है। दोनों के शव गुरुवार को जंगल में मिले हैं। बीजापुर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने नक्सलियों द्वारा दोनों भाइयों की हत्या की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दोनों का रस्सी से गला घोंट हत्या की गयी थी। उन्होंने बताया कि यह मामला तर्रेम थाना क्षेत्र का है। जहां छुटवाई गांव निवासी जोगा माड़वी और हूंगा माड़वी चचेरे भाई थे। एक दिन पहले ही नक्सली दोनों को अगवा कर ले गए थे। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने एक भाई पर पुलिस का मुखबिर होने और दूसरे पर पुलिस कैंप के लिए जमीन देने का आरोप लगाया था। नक्सलियों की जन अदालत में सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों युवकों का गला घोंट दिया। वारदात के बाद नक्सलियों ने शवों को गांव के ही जंगल में लाकर फेंक दिया था। सुबह इसकी जानकारी परिजनों को मिली। इसके बाद वे शवों को घर ले गए। बताया जा रहा है कि परिजनों पर ग्रामीण दोनों के शवों का जल्दी अंतिम संस्कार करने का दबाव बना रहे हैं। साथ ही उन्हें पुलिस के पास न जाने और प्राथमिकी दर्ज नहीं कराने की धमकी भी दी जा रही है।गौरतलब है कि पुलिस के जवान और सुरक्षा बल इन दिनों बस्तर के जंगलों में नक्सलियों पर पूरी तरह से हावी नजर आ रहे हैं। लगातार हो रही तलाशी, गश्ती और मुठभेड़ में बड़े पैमाने पर नक्सली और उनके बड़े नेता मारे जा रहे हैं। सरकार के निर्देश पर चले रहे इस नक्सल उन्मूलन अभियान से नक्सली बौखला उठे हैं और यही वजह हैं कि वह निर्दोष, निरीह ग्रामीणों को अपना शिकार बना रहे हैं।

कांग्रेस को लगा तगड़ा झटका

» जिला पंचायत सदस्य के घर बोरे बासी खाने पहुंचे थे पूर्व सीएम भूपेश बघेल, चंद घंटे बाद वह भाजपा में हुआ शामिल

रायगढ़,02 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के चुनावी मुक़ाबले के ठीक पहले कांग्रेस को तगड़ा झटका उस वक़्त लगा, जब रायगढ़ में पूर्व मंत्री दिवंगत शत्राजीत नायक के बेटे और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान विधायक रह चुके प्रकाश नायक के छोटे भाई कैलाश नायक ने कांग्रेस का हाथ छोड़ भाजपा का भगवा गमछा पहन लिया। राजनीतिक लिहाज़ से ये घटनाक्रम बेहद अहम माना जा रहा है। दिलचस्प पहलू यह है कि कैलाश नायक के भाजपा प्रवेश के चंद घंटे पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नायक परिवार के घर बोरे बासी खाने पहुंचे थे। रायगढ़ की राजनीति को करीब से

समझने वाले जानकार बताते हैं कि शत्राजीत नायक की राजनीतिक विरासत का असली हकदार कैलाश नायक को ही माना जाता रहा है। लेकिन उनके बड़े बेटे होने की वजह से प्रकाश नायक ने विरासत संभालने के लिये खुद को आगे कर दिया। कैलाश नायक के भाजपा प्रवेश के पीछे साय सरकार के मंत्री ओपी चौधरी की मुख्य भूमिका रही। नायक ज़िला पंचायत सदस्य भी हैं। कैलाश नायक के साथ-साथ हुकुमचंद अग्रवाल, महावीर अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, योगेन्द्र अग्रवाल और टिंकु अग्रवाल ने भी भाजपा प्रवेश किया है. भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस नेताओं ने सनातन धर्म की रक्षा और प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के निर्माण के संकल्प में अपनी भागीदारी निभाने के लिए भाजपा में शामिल होने का फैसला लिया। सभी ने छत्तीसगढ़ के लोकसभा चुनाव में राज्य की 11-11 सीटें मोदी जी की झोली में डालकर उनको मजबूत करने का भरोसा दिलाया है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सभी को भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया।. उन्होंने भी उम्मीद जताई है कि पंचायत प्रतिनिधियों सहित अन्य नेताओं के भाजपा में शामिल होने से विकसित भारत की परिकल्पना को मजबूती मिलेगी। उन्होंने रायगढ़ सहित प्रदेश की सभी 11 सीटों पर कमल खिलाने की अपील की है।

व्यापम ने बदली एंट्रेस एग्जाम की तारीखें

» अब इस दिन होंगी पीएटी और बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा

रायपुर,02 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल ने पीएटी और बीएससी नर्सिंग की तिथियों में परिवर्तन किया है। व्यापम द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित होने के कारण प्रवेश एवं पात्रता परीक्षाओं की पूर्व निर्धारित तिथियों में संशोधन किया गया था। 15 अप्रैल के बाद कुछ केंद्र स्तरीय परीक्षाओं की तिथि घोषित हुई है। इस कारण बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक नरि एमएससी नर्सिंग और पीएटी सहित कुछ परीक्ष की तिथियों में बदलाव किया गया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि पीएटी का आयोजन पूर्व में 16 जून को किया जाना था। इसके साथ ही पीव्हीपीटी, बीएससी कृषि, बीएससी उद्यानिकी, पशुपालन में डिप्लोमा और मातस्थिकी विज्ञान में डिप्लोमा के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन 16 जून को होना था। अब ये सभी परीक्षाएं 9 जून को होंगी।

इस तरह बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग के प्रवेश परीक्षाएं अब 14 जुलाई को होगी। दूसरी बार जारी समय सारिणी के अनुसार, इन परीक्षाओं का आयोजन 7 जुलाई को होना था। पहली बार जारी समय सारिणी अनुसार, बीएससी नर्सिंग का आयोजन 13 जून तथा पोस्ट बेसिक नर्सिंग और एमएससी नर्सिंगा लिए परीक्षा 30 मई को होनी थी। इनके अतिरि बीएड, डीएलएड, पीईटी सहित अन्य की तारीखें पूर्ववत हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)